RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 151 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 25-12-2025 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकारी जमीन या पौराणिक स्थल पर कब्जे के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई होकर रहेगी : योगी

6 बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम पर विश्व की बेशर्म खामोशी

7 सोनम बाजवा ने बताई ‘बॉर्डर 2’ में शामिल होने की कहानी

फर्स्ट टेक

रूस समर्थक हैकर समूह ने फ्रांस की डाक सेवा पर साइबर हमला किया

पेरिस/एपी। रूस समर्थक एक हैकर समूह ने क्रिसमस से कुछ दिन पहले फ्रांस की राष्ट्रीय डाक सेवा की पार्सल डिलीवरी ठप करने वाले बड़े साइबर हमले की जिम्मेदारी ली है। अभियोजकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एसोसिएटेड प्रेस को जारी बयान में बताया कि साइबर अपराध समूह ‘नोनेम057’ की ओर से हमले का दावा किए जाने के बाद फ्रांस की खुफिया एजेंसी डीजीएसआई (डीजीएसआई) ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। इस समूह पर यूरोप में अन्य साइबर हमलों का भी आरोप है जिनमें नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान और फ्रांसीसी सरकारी वेबसाइटों पर किए गए हमले शामिल हैं।

‘धुरंधर 2’ मार्च 2026 में पांच भाषाओं में प्रदर्शित होगी

मुंबई/भाषा। फिल्मकार आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘धुरंधर 2’ 19 मार्च को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म ’धुरंधर’ यह पांच दिसंबर को प्रदर्शित हुई थी। आदित्य ने फिल्म की कहानी लिखी है और इसके सहायक निर्माता भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने भारत में करीब 597 करोड़ रुपये की कमाई की है और अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली शीर्ष 10 भारतीय फिल्मों में अपनी जगह बनाई है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि ‘धुरंधर 2’ 19 मार्च 2026 को ईद और गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में देश-विदेश के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी।

इजराइल ने हमास पर लगाया युद्धविराम उल्लंघन का आरोप

यरुशलम/एपी। गाजा में बुधवार को विस्फोटक उपकरण में विस्फोट से एक इजराइली सैनिक घायल हो गया। वहीं, इजराइल ने हमास पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। दस अक्टूबर से जारी संघर्ष विराम को खतरे में डालने वाली यह नवीनतम घटना है। यह विस्फोट उस समय हुआ जब हमास ने संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए अंकारा में तुर्किये के अधिकारियों के साथ बैठक की। हालांकि समझौता मुख्य रूप से कायम रहा है, लेकिन इस पर प्रगति धीमी हो गई है। इजराइल की सेना ने कहा कि एक सैन्य वाहन में विस्फोट हो गया जब सैनिक दक्षिणी शहर राफा में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रहे थे। सेना ने कहा कि मामूली रूप से घायल सैनिक को अस्पताल ले जाया गया।

सूर्यास्त 25-12-2025 6:00 बजे	सूर्योदय 26-12-2025 6:39 बजे
BSE 85,408.70 (-116.14)	NSE 26,139.70 (-37.45)
सोना 14,019 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 213,179 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

क्रिसमस

क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बुधवार को शिवाजीनगर स्थित सेंट मैरीज़ बैसिलिका में आयोजित विशेष प्रार्थना सभा (मास) के दौरान श्रद्धालु।

कांग्रेस के भीतर या कहीं भी

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में कोई अटकलें नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मकर संक्रांति के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को बुधवार को खारिज कर दिया और कहा कि इस पर केवल मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं, पार्टी या सरकार के भीतर नहीं।

दिल्ली में मौजूद शिवकुमार ने कहा कि वह इस यात्रा के दौरान किसी से नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे दिल्ली में हैं।

राहुल गांधी कल आए हैं और मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहता।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, अटकलें केवल मीडिया में हैं। पार्टी के भीतर या सरकार में कहीं भी कोई अटकल नहीं है। केवल मीडिया चीजों के बारे में अटकलें लगा रहा है।

अपनी वर्तमान भूमिका के बारे में उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं पार्टी में किसी पद पर रहने के बजाय पार्टी कार्यकर्ता बनना पसंद करूंगा। यह मेरे लिए स्थायी है। उन्होंने कहा कि वह 1980 से कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं और 45 साल की सेवा पूरी कर चुके हैं।

पार्टी नेताओं के साथ बैठकों के बारे में शिवकुमार ने कहा कि नाश्ते पर इस तरह की बातचीत सामान्य है, जिस तरह व्यवसायियों, नौकरशाहों और मीडिया के साथ होती है। उन्होंने कहा, मिलना, बातें करना और हालचाल जानना जीवन का हिस्सा है।

तमिलनाडु में सड़क दुर्घटना में नौ लोगों की मौत

कुड्डालोर/भाषा। तमिलनाडु के कुड्डालोर में बुधवार को एक सरकारी बस की दो वाहनों से भिड़ंत की घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें पांच पुरुष और चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तिरुचिराप्पल्ली से चेन्नई जा रही बस टायर फटने के कारण डिवाइडर तोड़ते हुए विपरीत लेन में चली गई और सामने से आ रहे वाहनों से उसकी टक्कर हो गई। उसने बताया कि हादसे में दो बच्चों समेत चार लोग घायल हो गए और उनका एक सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने हादसे पर गहरा दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के परिजन को मुख्यमंत्री राहत कोष से तीन-तीन लाख रुपए की।

स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत अभियान का समर्थन करना अत्यंत आवश्यक : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करके, स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करके और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देकर भारत सरकार के महत्वाकांक्षी ’आत्मनिर्भर भारत अभियान’ को सक्रिय रूप से समर्थन देने की भी तत्काल आवश्यकता है।

राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों

के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने अधिकारियों से नए कौशल सीखने और कृत्रिम मेधा आधारित वित्तीय विश्लेषण जैसे ‘टूल्स’ का उपयोग करने का आग्रह किया, ताकि साक्ष्य-आधारित निर्णय लिए जा सकें और निधियों का कुशल उपयोग सुनिश्चित हो। राष्ट्रपति ने कहा, युवा अधिकारियों के रूप में आप में से कई को अपने करियर की शुरुआत में ही बड़े और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर काम करना होगा। यह एक सम्मान भी है और बड़ी जिम्मेदारी भी। आपसे ईमानदारी के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही हर निर्णय का मार्गदर्शन करनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा, यह याद रखें कि विश्वास लोक सेवा की नींव है और इसकी रक्षा अटूट प्रतिबद्धता के साथ की जानी चाहिए।’’ उन्होंने कहा कि बदलता भू-राजनीतिक वातावरण और उभरती सुरक्षा चुनौतियां त्वरित, अधिक कुशल और सटीक निर्णय लेने की मांग करती हैं।

किसानों को खुशहाल बनाने के लिए काम कर रही है सरकार : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- नई कृषि नीति खेती में पानी और रसायनों के इस्तेमाल कम करने पर ध्यान केन्द्रित करती है।
- सरकार की ‘भारत टैक्सी’ शुरू करने की योजना

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने सहकारिता क्षेत्र के ज़रिये किसानों को खुशहाल बनाने की दिशा में काम किया है। पंचकूला में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि सरकार ने खेती के आधार को मजबूत किया है और सहकारिता आंदोलन के जरिये किसानों को खुशहाल बनाने के लिए काम कर रही है।

कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की ‘सहकारिता से खुशहाली - टिकाऊ खेती में सहकारिता की भूमिका’ पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नई कृषि नीति खेती में पानी और रसायनों के इस्तेमाल कम करने पर ध्यान केन्द्रित करती है। उन्होंने कहा कि सरकार एक या दो महीने में सहकारिता क्षेत्र में कैब सेवाओं से संबंधित ऐप ‘भारत टैक्सी’ शुरू करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, ‘‘देश में ड्राइवर, तिपहिया चालकों, युवाओं का एक बड़ा समूह है जो अपनी मोटरसाइकिल को टैक्सी की तरह चलाते हैं। देश में कई कंपनियां हैं जो टैक्सी चलाने में लगी हुई हैं, लेकिन मुनाफा मालिकों को जाता है, टैक्सी ड्राइवरों को नहीं।’’ उन्होंने कहा कि इसका मकसद वाणिज्यिक वाहन चलाने वालों की निजी कंपनियों पर निर्भरता खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के जरिये, ‘‘हम एक या दो महीने में भारत टैक्सी लाएंगे और मुनाफे का हर पैसा चालकों को जाएगा।’’

शाह ने पहले लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा था कि डिजिटल ऐप, ’भारत टैक्सी’, को सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड चलाएगी, जो एक बहु-राज्यीय सहकारिता सोसायटी है और एमएससीएस कानून 2002 के तहत छह जून, 2025 को पंजीकृत है।

कर्नाटक शहरी निकाय चुनाव :

भाजपा ने चार नगर पंचायतों में जीत दर्ज की

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में चार नगर पंचायतों के लिए हुए आम चुनावों के बुधवार को आए नतीजे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने जीत दर्ज की है। पार्टी ने इसे राज्य में कांग्रेस सरकार की ‘‘विफलताओं और कुशासन’’ की स्पष्ट अस्वीकृति बताया। भाजपा ने बेंगलूरु ग्रामीण जिले में नगर परिषद और रायचूर जिले में एक नगर पंचायत में एक-एक वार्ड पर हुए उपचुनावों में भी जीत हासिल की है। चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे।

राज्य चुनाव आयोग की विज्ञप्ति के मुताबिक भाजपा ने बशेट्टीहल्ली (बेंगलूरु ग्रामीण जिला), बाजपे (दक्षिण कन्नड़), किन्निगोली (दक्षिण कन्नड़), और मानकी (उत्तरकन्नड़) नगर पंचायतों के कुल 76 वार्ड में से 47 पर जीत दर्ज की। विज्ञप्ति के मुताबिक राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने केवल 23 वार्ड में जीत दर्ज की थी जबकि जनता दल सेक्युलर ने एक, एसडीपीआई ने तीन और अन्य ने दो वार्ड पर जीत दर्ज की है।

शुभकामनाएं

24 दिसंबर 2025 को जारी इस तस्वीर में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन चेन्नई में बुधवार को हुई मुलाकात के दौरान चेन्नईमयिलादुथुरै के आर्चबिशप जॉर्ज एंथोनीसामी, संतोम के आर्चबिशप विन्सेंट चिन्नादुरै और संतोम के आर्चबिशप दीपक एंथनी को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए।

कांग्रेस ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

सरकार ने अरावली पर ‘डैमेज कंट्रोल’ का फर्जी प्रयास किया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली क्षेत्र में खनन के नए पट्टे देने पर रोक संबंधी निर्देश जारी किए जाने के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि यह ’डैमेज कंट्रोल(नुकसान की भरपाई)’ का फर्जी प्रयास है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि अरावली पहाड़ों को बचाया नहीं, बेचा जा रहा है। रमेश ने ’एक्स’ पर पोस्ट किया, यह डैमेज कंट्रोल का एक फर्जी प्रयास है जो किसी को भी मूर्ख नहीं बना पाएगा। उन्होंने कहा, ये पवित्र उद्घोषणाएं हैं लेकिन अरावली की खतरनाक 100 मीटर से अधिक की पुनर्परिभाषा - जिसे भारतीय वन सर्वेक्षण, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर बनी केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति और सर्वोच्च न्यायालय के न्याय मित्र द्वारा खारिज कर दिया गया है - अपरिवर्तित बनी हुई है।

रमेश ने आरोप लगाया कि अरावली पहाड़ों को बचाया नहीं, बेचा जा रहा है।

इसरो के ‘बाहुबली’ प्रक्षेपण यान ने अमेरिकी संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। क्रिसमस से पहले, एक ऐतिहासिक मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सबसे भारी प्रक्षेपण यान ‘एलवीएम-3 एम6’ ने एक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में बुधवार को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया जिसे अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख ने देश के लिए तोहफा करार दिया।

प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम6 ने 6,100 किलोग्राम वजनी ‘ब्लूबर्ड ब्लॉक-2’ उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। ‘ब्लूबर्ड ब्लॉक-2’ मिशन का उद्देश्य उपग्रह के जरिए सीधे मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। यह नेटवर्क कहीं भी, कभी भी, सभी के लिए 4जी और 5जी वॉयस-वीडियो कॉल, संदेश, स्ट्रीमिंग और डेटा सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम6 को अत्यधिक भार ले जाने की उसकी क्षमता के कारण ‘बाहुबली’ नाम भी दिया गया है।

इसरो ने कहा कि ‘एलवीएम3-एम6’ ने सटीक प्रक्षेपण प्रक्रिया के तहत उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। यह मिशन ‘न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड’ (एनएसआईएल) और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए वाणिज्यिक समझौते के तहत संचालित किया गया। एनएसआईएल, इसरो की वाणिज्यिक इकाई है।

चौबीस घंटे की उल्टी गिनती पूरी होने के बाद दो एस-200 ठोस बूस्टर से युक्त 43.5 मीटर लंबा यान चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व स्थित इस अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे प्रक्षेपण ‘पैड’ से सुबह आठ बजकर 55 मिनट पर रवाना हुआ।

मिशन की सफलता ने वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका मजबूत की : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को भारत से एलवीएम3 रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने तथा गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों के लिए नींव मजबूत करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारी सामान ले जाने में सक्षम एमवीएम3 रॉकेट की सफलता ने वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका को भी मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। एलवीएम-एम6 का सफल प्रक्षेपण, जिसने भारतीय धरती से प्रक्षेपित किए गए अब तक के सबसे भारी उपग्रह ‘ब्लूबर्ड ब्लॉक-2’को उसकी तय कक्षा में पहुंचाया, यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।’’

वाजपेयी का कद, पदों से कहीं अधिक बड़ा था : राजनाथ

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का कद उनके पदों से परिभाषित नहीं किया जा सकता, बल्कि उनके कर्मों और व्यक्तित्व से परिभाषित किया जा सकता है।

वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित एकल कवि सम्मेलन में सिंह ने कहा कि कुछ लोग अपने पदों की वजह से सम्मान पाते हैं, जबकि कुछ लोग बिना किसी पद के अपने कार्य और चरित्र की वजह से सम्मान पाते हैं।

उन्होंने कहा, अटल बिहारी वाजपेयी ऐसी ही शख्सियत थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि वाजपेयी असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे जिनकी जयंती की पूर्व संध्या पर लोग उन्हें याद करने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यद्यिप वाजपेयी जी आज हमारे बीच नहीं हैं, उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए अब भी लोगों में भारी इच्छा है। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन में अशांति के बीच वाजपेयी हमेशा जीवंत और विनम्र रहते। सभी के प्रिय नेता के तौर पर वाजपेयी ने लोगों के मन मस्तिष्क पर एक गहरी छाप छोड़ी है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार ने अरावली में नए खनन पट्टों पर प्रतिबंध लगाया, संरक्षित क्षेत्र का विस्तार होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने बुधवार को राज्यों को अरावली पर्वतमाला में नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) को पूरे अरावली क्षेत्र में अतिरिक्त क्षेत्रों और जोन की पहचान करने का निर्देश दिया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''यह प्रतिबंध पूरे अरावली भूभाग पर समान रूप से लागू होता है और इसका उद्देश्य पर्वत शृंखला की अखंडता को संरक्षित करना है। इन निर्देशों का लक्ष्य गुजरात से लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक फैली एक सतत भूवैज्ञानिक शृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है।''

संपूर्ण अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन हेतु एक व्यापक, विज्ञान-आधारित प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) तैयार करते समय आईसीएफआरई को यह कवायद करने का निर्देश दिया गया है। इस योजना के तहत संचयी पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन किया जायेगा, पारिस्थितिक रूप से

संवेदनशील और संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की जायेगी और बहाली तथा पुनर्वास के लिए उपाय किए जायेंगे। अधिकारी ने कहा, ''सरकार अरावली पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, क्योंकि वह मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता के संरक्षण, जलभंडारों के पुनर्भरण और क्षेत्र के लिए पर्यावरणीय सेवाएं प्रदान करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है।''

कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर बुधवार को मोदी सरकार फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह इस पर्वतमाला की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है।

पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अब यह बिल्कुल साफ हो गया है कि अरावली मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पूरी तरह से सच नहीं बता रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''अरावली की परिभाषा में जो बदलाव मोदी सरकार कर रही है, उसका भारतीय वन सर्वेक्षण, उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय विशेषाधिकार समिति और उच्चतम न्यायालय के न्याय मित्र ने स्पष्ट और जोरदार विरोध किया है।''

लोकसभा सदस्यों को मिली मातृभाषा में बोलने की सुविधा, प्रधानमंत्री ने भी पहल को सराहा

नई दिल्ली/भाषा। संसद के बीते शीतकालीन सत्र के दौरान कई लोकसभा सदस्यों ने अपनी मातृभाषा में भाषण दिया और लोक महत्व के विभिन्न विषय उठाए। लोकसभा में इस बार कुल 22 भाषाओं में समानांतर अनुवाद की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा शुरू की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सांस्कृतिक और भाषायी विविधता भारत का गौरव है।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र में इस बार सांसदों ने संविधान की अनुसूची आठ में शामिल 22 भाषाओं में समानांतर अनुवाद सेवा का इस्तेमाल किया। उसने कहा, ''इसका मतलब है कि सांसद अपनी भाषा में बोल सकते हैं और बाकी लोग उसे अपनी भाषा में सुन सकते हैं। यह सेवा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 19 अगस्त 2025 को शुरू की थी।'' प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को इस पहल की सराहना करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''यह देखकर ख़ुशी होती है। भारत की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता हमारा गौरव है। संसद के पटल पर इस जीवंतता को उभारने के लिए अध्यक्ष ओम बिरला जी और सभी दलों के सांसदों को बधाई।'' बिरला ने कहा है कि यह पहल संविधान की भावना के अनुसार है, क्योंकि संविधान क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को मानता है। उनका कहना है कि हर भाषा का अपना इतिहास, संस्कृति और पहचान है, और इसे राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी जानी चाहिए।

देशव्यापी ऑनलाइन निवेश घोटाले में चार लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने देशव्यापी ऑनलाइन निवेश घोटाले के सिलसिले में चार कथित साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की कई शिकायतों से संबंधित 7.16 करोड़ रुपए के लेनदेन का पता लगाया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) आदित्य गौतम ने बताया कि ये गिरफ्तारियां 3 नवंबर को दर्ज किए गए एक ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी मामले की जांच के दौरान की गईं जिसमें उन्होंने दिल्ली के एक व्यक्ति से 27.2 लाख रुपए की धोखाधड़ी की थी। अधिकारी के अनुसार, आरोपी एक बड़े साइबर अपराध गिरोह का हिस्सा थे, जो देश भर में साइबर अपराध के 300 से अधिक शिकायतों से जुड़े धोखाधड़ी के धन को हस्तांतरित करने और उसे वैध बनाने के लिए बड़ी मात्रा में म्यूल खातों का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने बताया कि एनसीआरपी पर दर्ज शिकायतों के आधार पर 7.16 करोड़ रुपए के लेन-देन का पता चला है।

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि अज्ञात लोगों ने ऑनलाइन माध्यम से उससे संपर्क किया और उसे फर्जी निवेश समूहों में शामिल कर लिया। इन ऑनलाइन समूहों में उसे निवेश के नाम पर भारी मुनाफे का लालच दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने उसे 'कॉनिफर' नामक एक फर्जी ट्रेडिंग एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए राजी किया, जिसके माध्यम से उसे एक लॉजिस्टिक्स कंपनी के फर्जी आईपीओ में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया।

डिजिटल मंचों के भ्रामक तरीकों से जुड़ी उपभोक्ता शिकायतों का हो रहा निपटान : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि उनका मंत्रालय ई-कॉमर्स एवं डिजिटल मंचों पर उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाले 'डार्क पैटर्न' से जुड़ी शिकायतों का सक्रिय रूप से निपटान कर रहा है। मंत्रालय ने 30 नवंबर, 2023 को दिशानिर्देश जारी कर 13 तरह के डार्क पैटर्न को चिह्नित किया था ताकि ऐसी अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोका और नियंत्रित किया जा सके। इनमें सब्सक्रिप्शन लेने के लिए बहलाना-फुसलाना और झुंझलाने वाले अलर्ट लगातार भेजते रहने जैसे तरीके शामिल हैं।

डार्क पैटर्न का इस्तेमाल डिजिटल मंचों या वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं को भ्रम में डालने, किसी अनचाही गतिविधि के लिए प्रेरित करने या अनचाहे निर्णय लेने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता है। जोशी ने कहा, हर दिन कोई नया डार्क पैटर्न सामने आता है, और हम इसे तुरंत संभालते हैं। कंपनियां भी ग्राहकों को लुभाने के लिए नए तरीके लाती रहती हैं, लेकिन हमारा विभाग बहुत सक्रिय है। उन्होंने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में मंत्रालय की सचिव निधि खरे और उनकी टीम को उपभोक्ता शिकायतों के सफल निपटान के लिए बधाई दी। 'डिजिटल न्याय के माध्यम से प्रभावी और त्वरित निपटान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनवरी, 2025 में शुरू हुए डिजिटल मंच 'ई-जागृति' पर अब तक 1.4 लाख से अधिक मामले दर्ज और निपटाए जा चुके हैं। जिला उपभोक्ता विवाद निपटान आयोगों ने 1.19 लाख से अधिक मामले दर्ज किए और 1.20 लाख से अधिक मामलों का निपटान किया। पांच महीनों के भीतर 4,300 से अधिक मामलों का समाधान किया गया।

अरावली के विषय पर जनता को गुमराह कर रहे हैं पर्यावरण मंत्री : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अरावली के मुद्दे को लेकर बुधवार को मोदी सरकार फिर निशाना साधा और सवाल किया कि वह इस पर्वतमाला की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव इस विषय पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' अब यह बिल्कुल साफ़ हो गया है कि अरावली मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पूरी तरह से सच नहीं बता रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' अरावली की परिभाषा में जो बदलाव मोदी सरकार कर रही है, उसका भारतीय वन सर्वेक्षण, उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय विशेषाधिकार समिति और उच्चतम न्यायालय के न्याय मित्र ने स्पष्ट और ज़ोरदार विरोध किया है।

उन्होंने सवाल किया कि फिर भी मोदी सरकार अरावली की परिभाषा में इतनी बड़ी खामियों वाले बदलाव को आगे बढ़ाने पर क्यों अड़ी हुई है?

भूपेन्द्र यादव ने सोमवार को कांग्रेस पर अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर 'गलत सूचना' और 'झूठ' फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि पर्वत शृंखला के केवल 0.19 प्रतिशत हिस्से में ही कानूनी रूप से खनन किया जा सकता है। यादव ने यहां प्रेसवार्ता में यह भी कहा था कि नरेन्द्र मोदी सरकार अरावली की सुरक्षा और पुनर्स्थापन के लिए 'पूरी तरह से प्रतिबद्ध' है।

दिल्ली मेट्रो के तीन नए गलियारों से राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो के लिए तीन नए कॉरिडोर को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी की सराहना की और कहा कि इस फैसले से राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे को काफी मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली मेट्रो के तीन नए कॉरिडोर के 5ए चरण को मंजूरी दी गई, जिसकी लागत 12,015 करोड़ रुपए है। प्रस्तावित विस्तार से मेट्रो लाइन में 16 किलोमीटर की वृद्धि होगी और इसमें 13 स्टेशन शामिल होंगे - जिनमें 10 भूमिगत और तीन एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

सेंगर को जमानत मिलना शर्मनाक, हम एक 'मृत समाज' बनते जा रहे हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन्नाव बलात्कार मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निलंबित किए जाने के बाद बुधवार को कहा कि सेंगर को जमानत मिलना निराशाजनक एवं शर्मनाक है। उन्होंने यह दावा भी किया कि ''हम सिर्फ़ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं।''

दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे, भाजपा से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा मंगलवार को निलंबित कर दी। अदालत ने कहा कि वह पहले ही सात साल, पांच महीने जेल में बिता चुका है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने बलात्कार पीड़िता को विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा हटाए जाने के दावे वाले एक 'एक्स' पोस्ट को रिपोस्ट किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''क्या एक गैंगरेप पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या उसकी 'गलती' यह है कि वह न्याय के लिए अपनी आवाज़ उठाने की हिम्मत कर रही है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को ज़मानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब, जब पीड़िता को बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा हो, और वह डर के साये में जी रही हो।'' उन्होंने सवाल किया कि बलात्कारियों को ज़मानत, और पीड़िताओं के साथ अपराधियों सा व्यवहार..., यह कैसा न्याय है?

राहुल गांधी ने दावा किया, ''हम सिर्फ़ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ हम एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज़ उठाना अधिकार है, और उसे दबाना अपराध।'' उन्होंने कहा, ''पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए - न कि बेबसी, भय और अन्याय।''

ठाकरे बंधुओं के बीच गठबंधन से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस बुधवार को उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के दलों के बीच हुए गठबंधन को ज्यादा तवज्जो न देते हुए कहा कि वे खुद का राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए साथ आए हैं और इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने आठ महीने से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए बुधवार को औपचारिक रूप से दोनों दलों के बीच गठबंधन की घोषणा की।

घोषणा होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, उनका ट्रैक रिकॉर्ड केवल भ्रष्टाचार और स्वार्थ का रहा है। उनका गठबंधन सिर्फ केवल अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए और इससे कोई महत्वपूर्ण राजनीतिक फर्क नहीं पड़ेगा। यदि कोई इसके विपरीत सोचता है, तो यह बचकानी सोच है। लोग इसके प्रभाव में नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, मुंबई हमारी सरकार के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। लोग महायुति सरकार के प्रदर्शन, उसके भविष्य के दृष्टिकोण और यह सुनिश्चित करने के प्रयास को देखेंगे कि मराठी लोगों को शहर में आवास मिले।

मुख्यमंत्री ने मुंबई में ठाकरे बंधुओं के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को लेकर जारी हलचल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सब फिजूल है। उन्होंने कहा, टेलीविजन समाचार चैनल ऐसी खबरें दिखा रहे थे कि मानो यह रूस-यूक्रेन का गठबंधन हो।

फडणवीस ने कहा, ठाकरे मराठी लोगों और मुंबई के अकेले प्रतिनिधि नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनके अहंकार की वजह से ही मुंबई के नागरिक उनसे दूर चले गए हैं।

फडणवीस ने शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, उद्धव ठाकरे को नगर निकाय पर 25 साल के कुशासन के बारे में जवाब देना होगा। पुराने पापों को मिटाया नहीं जा सकता। मैं जन्म से ही हिंदुत्ववादी हूं और इसी रूप में मरूंगा। मैं वह नहीं हूं, जो वोटों के लिए केसरिया चोला पहनकर राजनीतिक रुख बदलता है। उन्होंने कहा, मुंबई और महाराष्ट्र के लोग हिंदुत्ववादी हैं, और जो लोग तुष्टिकरण में लिप्त रहते हैं और हिंदुत्व की विचारधारा से भटक गए हैं, उन्हें विधानसभा चुनावों में परिणाम भुगतना पड़ा। हमारा हिंदुत्व संकीर्ण नहीं है। यह भारतीय जीवन का तरीका है।

अविभाजित शिवसेना ने बीएमसी पर दो दशकों से अधिक समय तक शासन किया।

ठाकरे बंधु मुंबई का विकास नहीं, सत्ता चाहते हैं : शिंदे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आरोप लगाया कि ठाकरे बंधु केवल सत्ता के लिए एक साथ आए हैं और मुंबई के विकास के लिए उनके पास कोई योजना नहीं है। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी चुनावों से पहले बुधवार को गठबंधन की घोषणा की। प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि चचेरे भाइयों की प्रेसवार्ता में विकास का कोई जिक्र नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''(शिवसेना के संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से भटकने वालों को पिछले साल के विधानसभा चुनाव और हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में सबक सिखाया गया है।'' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ बगावत करके जून 2022 में पार्टी को विभाजित करने वाले शिंदे ने कहा, ''उनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है, उनका लक्ष्य सिर्फ सत्ता हासिल करना है। इन लोगों ने मराठी भाषी लोगों को मुंबई से बाहर निकाल दिया। विधानसभा चुनाव और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों ने दिखा दिया है कि कौन सी शिवसेना नकली है और कौन सी असली।''

मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना (उबाठा), मनसे ने गठबंधन की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महीनों से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव से पहले बुधवार को अपनी पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की।

राज ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि दो दल साथ रहने के लिए एकसाथ आए हैं। दोनों ने कहा कि वे 'मराठी मानुष' और महाराष्ट्र के हित के लिए एकजुट हुए हैं।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों चचेरे भाई हैं। उद्धव ने कहा कि उनके दादा प्रबोधनकर ठाकरे एक समाज सुधारक और लेखक थे। वह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे तथा उनके पिता बाल ठाकरे व चाचा श्रीकांत, जो राज ठाकरे के पिता थे, वे भी इस आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। इन सभी ने यह सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया कि मुंबई राज्य का हिस्सा बना रहे।

राज ठाकरे ने हालांकि बीएमसी चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की।

राज ने कहा, ''मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा।''

उद्धव ने कहा कि दोनों पार्टियों ने नासिक नगर निगम के लिए सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है जहां 15 जनवरी को चुनाव होने हैं, साथ ही मुंबई और राज्य के 27 अन्य नगर निगमों में भी चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि अन्य नगर निकायों में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत जारी है।

उद्धव ठाकरे ने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जो हो रहा है उसे सहन न कर पाने वाले हमारे साथ आ सकते हैं।''

बेटे के जन्मदिन पर सूरत की सड़क पर पटाखे फोड़ने वाला बिल्डर गिरफ्तार

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत शहर में अपने बेटे के जन्मदिन के जश्न में पटाखे फोड़ने के लिए एक व्यस्त सार्वजनिक सड़क पर यातायात अवरुद्ध करने के आरोप में 58 वर्षीय 'रियल एस्टेट डेवलपर' को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना 21 दिसंबर को डुमास इलाके में लंगर सर्कल के पास हुई। दरअसल बिल्डर दीपक इजरदार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें वह सड़क पर पटाखे फोड़ते हुए दिखाई दे रहे थे।

इस वीडियो में, सुल्तानबाद इलाके के निवासी इजरदार को अपने बेटे ध्येय इजरदार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दोनों हाथों में दो पटाखे लिए और उन्हें जलाने के लिए यातायात रोकते हुए देखा गया। व्यस्त सड़क पर बिल्डर की इस हरकत का पता चलने पर, डुमास पुलिस ने इजरदार को गिरफ्तार कर लिया, हालांकि उसे बाद में जमानत मिल गई। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, '' यह पाया गया कि इजरदार ने अपने बेटे के जन्मदिन के अवसर पर अपने आवास के पास डाकघर के सामने सड़क पर पटाखे फोड़े और आतिशबाजी की, जिससे जनता को असुविधा हुई और पुलिस आयुक्त की अधिसूचना का उल्लंघन हुआ।'' पुलिस ने बताया कि इजरदार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो लोक सेवकों द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेश की अवज्ञा से संबंधित है।

एलवीएम-3 मिशन की सफलता पर देश को गर्व : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रक्षेपण यान 'एलवीएम-3 एम-6' द्वारा एक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किए जाने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) तथा वैज्ञानिकों को बधाई दी और कहा कि यह सफलता उन लोगों द्वारा रखी गई दूरदर्शी नींव पर खड़ी है, जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को राष्ट्र-निर्माण के स्तंभ के रूप में बनाया। क्रिसमस से पहले एक ऐतिहासिक मिशन के तहत इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान 'एलवीएम-3 एम-6' ने एक अमेरिकी संचार उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में बुधवार को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया।

इसरो ने बताया कि प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 एम-6 ने 'ब्लूबर्ड ब्लॉक-2' उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्सट किया, ''इस ऐतिहासिक मिशन के लिए इसरो को बहुत-बहुत बधाई। सफल एलवीएम-3 मिशन पर वैज्ञानिक, इंजीनियर, अंतरिक्ष शोधकर्ता और इस मिशन में शामिल सभी लोगों पर पूरे देश को गर्व है। इस मिशन ने दो उत्कृष्ट मील के पत्थर हासिल किए। पहला यह कि पृथ्वी की निचली कक्षा में सबसे बड़े वाणिज्यिक संचार उपग्रह स्थापित हुआ और दूसरा यह कि भारतीय धरती से अब तक के सबसे भारी 'पेलोड' (6,100 किलोग्राम) का प्रक्षेपण किया गया।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सफलता हमारे उन लोगों द्वारा रखी गई दूरदर्शी नींव पर खड़ी है, जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को राष्ट्र-निर्माण और सामाजिक विकास के स्तंभ के रूप में बनाया।''

शीतकालीन पर्यटन आत्मनिर्भर उत्तराखंड की मजबूत नींव : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोगों से शीतकालीन पर्यटन को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए बुधवार को कहा कि यह आत्मनिर्भर उत्तराखंड की मजबूत नींव है।

उत्तरकाशी जिले में पर्यटन के नक्शे पर तेजी से उभर रहे सांकरी में आयोजित शीतकालीन महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शीतकालीन यात्रा के आह्वान के बाद केदारकांठा, हर्षिल, औली, मुनस्यारी और सांकरी जैसे क्षेत्रों में शीतकालीन पर्यटन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, ''इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। युवा, ट्रैकिंग गाइड, होम-स्टे, होटल एवं पर्यटन से जुड़े अन्य कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं और इन क्षेत्रों में पलायन में भी कमी आई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतकालीन पर्यटन से लोक कलाकारों, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय उत्पादों को भी नया बाजार मिल रहा है।

डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर दिव्या प्रभु ने बुधवार को हुब्बली के पास इनाम वीरपुर गांव का दौरा किया और एक ऑनर किलिंग के बाद उसका इंस्पेक्शन किया। इस घटना में गर्भवती महिला को 'पीट-पीटकर मार डाला गया'।

बेंगलूरु में महिला पर हमला करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने महिला पर हमला करने के आरोप में 29 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि रिलेशनशिप में आने से इनकार करने पर युवक ने महिला पर हमला किया है। फिलहाल, बेंगलूरु पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई में जुटी है। आरोपी की पहचान 29 साल के नवीन कुमार के रूप में हुई है, जो बेंगलूरु के येलहंका क्षेत्र का रहने वाला है। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी और पीड़िता ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे से दोस्ती की थी। हालांकि, कुछ दिनों पहले पीड़िता ने आरोपी का मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने कहा कि मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया अकाउंट पर ब्लॉक किए जाने से युवक गुस्से में था। उसने महिला से उसके पीजी के पास बात करने की कोशिश की। इसी बीच, दोनों के बीच झगड़ा हो गया और उसने महिला पर हमला कर दिया। मारपीट की यह घटना सोमवार दोपहर करीब 3 बजे हुई।

एक वायरल वीडियो में आरोपी नवीन एक कार में आते हुए दिखा। वह महिला पर हमला करता भी नजर आया। वारदात के बाद वह उसी गाड़ी में मौके से फरार हो गया। अपनी शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक ने उसके साथ मारपीट की, उसे सड़क पर घसीटा और कपड़े खींचे। आरोपी ने हमले के दौरान उन्हें फाड़ने की भी कोशिश की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि शिकायत के 24 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी और पीड़िता 2024 में इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में आए थे और रिलेशनशिप में थे। अपने रिलेशनशिप के दौरान नवीन ने कथित तौर पर महिला पर रिलेशनशिप जारी रखने के लिए दबाव डाला। पुलिस ने यह भी कहा कि दोनों के बीच पैसे के मामलों को लेकर झगड़ा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी पीड़िता का पीछा कर रहा था। वह जहां भी जाती थी, उसका पीछा करता था। उसने कथित तौर पर गंदी भाषा का इस्तेमाल करके उसे गाली दी, उसके साथ मारपीट की और उसे बार-बार परेशान किया।

गृह लक्ष्मी योजना के तहत धनराशि वितरित नहीं होने तक भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आर. अशोक ने बुधवार को कहा कि गृह लक्ष्मी योजना के तहत इस साल फरवरी और मार्च महीनों के लिए धन का वितरण नहीं होने के विरोध में पार्टी द्वारा प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी राज्यपाल थावरचंद गहलोत से अनुरोध करेगी कि वे कर्नाटक नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक को अपनी सहमति न दें। इस विधेयक को हाल ही में बेलगावी में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा और विधानमंडल दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता ने यहां पत्रकारों से कहा कि बेलगावी सत्र के दौरान उत्तरी सरकार से कर्नाटक के लिए बड़ी योजनाओं की घोषणा करने की काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने कहा कि लेकिन उत्तरी कर्नाटक के लिए पैकेज की घोषणा करने के बजाय, धनराशि में कटौती की गई। अशोक ने कहा, फरवरी और मार्च के महीनों के लिए गृह लक्ष्मी योजना की लगभग 5,000 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को नहीं दी जा सकी। सरकार ने इसमें हेराफेरी की। वित्त विभाग ने इसे छिपाया। हमारा सवाल यह है कि क्या पिछले वित्तीय वर्ष में धन उपलब्ध ही नहीं था और सरकार ने इसे क्यों छिपाया।

राज्य सरकार द्वारा चुनाव से पहले किए पांच वादों में से एक गृह लक्ष्मी योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित परिवारों की महिला मुखियाओं को प्रति माह 2,000 रुपये देने वादा किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने विधानसभा सत्र के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर की प्रतिक्रिया का तीन दिनों तक इंतजार किया क्योंकि 1.26 करोड़ परिवार बेसब्री से पैसे का इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा, यह एक बड़ा घोटाला है। आज तक मंत्री जी ने फरवरी और मार्च महीनों के लिए गृह लक्ष्मी योजना के पैसे के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है। उन्होंने बेंगलूरु आना भी बंद कर दिया है। नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक के संबंध में उन्होंने कहा कि इसे दोनों सदनों में बिना किसी चर्चा के जल्दबाजी में पारित कर दिया गया था। भाजपा नेता ने कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत के मध्य प्रदेश से लौटने के बाद पार्टी उनसे संपर्क करेगी और उन्हें समझाएगी कि यह कानून लोगों को कैसे प्रभावित करेगा तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए कैसे समस्याएं पैदा करेगा।

लोकायुक्त ने मंत्री के करीबी की संपत्तियों पर छापे मारे

बेंगलूरु। लोकायुक्त अधिकारियों ने बुधवार को कर्नाटक आवासीय विभाग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी सरदार सरफराज खान से जुड़ी संपत्तियों की तलाशी ली। सरफराज खान को कर्नाटक के आवासीय, हज और वक्फ मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान का करीबी माना जाता है। एक लोकायुक्त अधिकारी ने बताया, आज बेंगलूरु में सहकारी विभाग निदेशालय से आवासीय विभाग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात सरदार सरफराज खान से जुड़े परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
बीजीएम (2 यूनिट), एलडी (2 यूनिट) और जीपीबी (1 यूनिट) में वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) के संचालन का अनुबंध देने के लिए ई-नीलामी की सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, उपर्युक्त निलामी सूची में निर्धारित अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले बोलीदाताओं को निम्नलिखित सेवा के लिए ई-निलामी में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है।
ई-निलामी केटलॉग नं. WVM BGM LD GPB
कार्य का नाम इसका स्थान: बेलगावी (2 यूनिट), लोंडा (2 यूनिट) और घाटप्रभा (1 यूनिट) में वाटर वेंडिंग मशीनों (डब्ल्यूवीएम) के संचालन के लिए पांच (5) साल की अवधि के लिए अनुबंध देना, जिसमें संतोषजनक प्रदर्शन पर तीन (3) साल के एक बार रिन्यूअल का प्रावधान है।
ई-नीलामी की तारीख और समय: ई-नीलामी 12.01.2026 को 11:00 बजे से 11:50 बजे तक निर्धारित है।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में (ई-निलामी पोर्टल)
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक हुबली
PUB/766/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

हासन में 10वीं क्लास की छात्रा ने बच्ची को दिया जन्म, बस ड्राइवर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। कर्नाटक में हासन जिले के चन्नरायपट्टना तालुक में 10वीं क्लास की एक छात्रा के बच्चे को जन्म देने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। छात्रा ने बस ड्राइवर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि उसी स्कूल के एक बस ड्राइवर ने एक प्राइवेट स्कूल में 10वीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा का यौन उत्पीड़न किया और जब छात्रा प्रेग्नेंट हो गई तो फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों ने कुछ दिनों तक लड़की और बच्चे की देखभाल करने के बाद उन्हें महिला एवं बाल कल्याण विभाग के आराम केंद्र को सौंपने का फैसला किया है। बस ड्राइवर के खिलाफ नुग्गेहल्ली पुलिस स्टेशन में पीओसीएसओ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि बस ड्राइवर रोज बस से आने वाली छात्रा को चॉकलेट का लालच देता था। इसी लालच में 10वीं क्लास की छात्रा का उसने यौन उत्पीड़न किया। इसके चलते छात्रा अब प्रेग्नेंट हो गई और दो दिन पहले उसने एक बच्ची को जन्म दिया है। बस ड्राइवर की पहचान चन्नरायपट्टना तालुक के बारगुरु गांव के रहने वाले रंजीत के रूप में हुई है, जो काफी समय से स्कूल में बस चलाया करता था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस ड्राइवर की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन और मुखबिर को लगा दिया गया है। जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और छात्रा की हालत ठीक है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

स्कूल में बस चलाने वाले और ड्राइवरों से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो छात्रा से भी पूछताछ की जाएगी, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो सके। साथ ही बस ड्राइवर ने किस-किस छात्रा का उत्पीड़न किया था, इसकी भी जांच की जा रही है। लोगों ने मांग की है कि इस अमानवीय काम को करने वाले दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। लोगों ने स्कूल प्रशासन के खिलाफ भी प्रदर्शन कर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अगर स्कूल प्रशासन ध्यान देता तो इस तरह की घटना सामने न आती।

कोहली, सिमरजीत के प्रदर्शन से दिल्ली ने आंध्र को चार विकेट से हराया

बेंगलूरु। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 15 साल बाद विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए शानदार शतक लगाया जिसकी मदद से दिल्ली ने ग्रुप डी के पहले मैच में बुधवार को आंध्र को चार विकेट से हराया। कोहली ने 101 गेंद में 131 रन बनाये जबकि नीतिश राणा ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 55 गेंद में 77 रन जोड़े। प्रियांश आर्य ने 44 गेंद में 74 रन का योगदान दिया। दिल्ली ने 299 रन का लक्ष्य 37 . 4 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले रिकी भुई ने 105 गेंद में 122 रन बनाये जिसके दम पर आंध्र ने आठ विकेट पर 298 रन बनाये। दिल्ली की जीत में तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह का भी योगदान रहा जिन्होंने 54 रन देकर पांच विकेट लिये।

कोहली ने कई चिर परिचित दर्शनीय स्ट्रोक्स लगाते हुए पहले पचास रन 39 गेंद में पूरे किये और 83 गेंद में शतक लगाया। यह लिस्ट ए क्रिकेट में उनका 58वां शतक था और इसके साथ ही 330 पारियों में 16000 रन पूरे करके वह इस मुकाम तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। सचिन तेंदुलकर ने 391 पारियों में 16000 रन बनाये थे। कोहली की पारी हालांकि बेदाग नहीं रही। उन्हें तेज गेंदबाज सत्यनारायण राजू की गेंद पर सौरभ कुमार ने जीवनदान दिया जब वह 32 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद नरसिम्हा राजू की गेंद पर शेख राशिद ने उनका कैच छोड़ा जब उनका स्कोर 97 रन था।

दइसके बावजूद उनकी पारी दर्शनीय रही और उन्होंने 50 ओवरों के क्रिकेट में शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया।

30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया पुलिस अधिकारी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को होटल मैनेजर से 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। लोकायुक्त अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मल्लेश्वरम उप-संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त कृष्ण मूर्ति को अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, राजाजीनगर में एक होटल मैनेजर शिकायतकर्ता संजय कुमार ने लोकायुक्त से संपर्क किया और आरोप लगाया कि एसीपी उनसे निर्धारित समय से अधिक समय तक होटल खुला रखने के लिए 50,000 रुपये रिश्वत मांग रहे हैं।

फिल्म निर्देशक कुंजू मुहम्मद गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मलयालम फिल्म निर्देशक और पूर्व विधायक पी टी कुंजू मुहम्मद को सिनेमा जगत से जुड़ी एक महिला से कथित छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुहम्मद मामले की जांच कर रहे अधिकारियों के सामने छावनी पुलिस थाने में पेश हुए।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 34/2025, दिनांक: 22.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है: निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा अंतिम तिथि
1	75251045ए	फ्लोरिंग शीट फ्लेक्सिबल पालिविनैल क्लोराईड पीवीसी	3022 नं.	08.01.2026
2	80251002बी	ऑयल मशीनरी / जनरल पर्पस मशीनरी	132090 ली.	20.01.2026
3	30251529ए	बीजी कोचों के लिए ब्रेक बीम 16टी कंप्लीट	2158 नं.	04.02.2026

सूचना सं. 30/2025 के निविदा सं. 30251272ए के लिए, निविदा खोलने की अंतिम तारीख 23.12.2025 से बदलकर 05.01.2026 कर दी गई है।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
PUB/768/AAF/PRB/SWR/2025-26 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुबली
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम है: कर्नाटक के मंत्री परमेश्वर ने नेतृत्व विवाद पर कहा

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का फैसला अंतिम है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार में सत्ता संघर्ष के बीच परमेश्वर से सवाल किया गया कि क्या कांग्रेस की कर्नाटक इकाई में जारी घटनाक्रम से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नाराज हैं जिसके जवाब में परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, वह (खरगे) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं, यानी वह हमारे आलाकमान हैं। उनके साथ नेतृत्व में राहुल गांधी और सोनिया गांधी हैं। वे जो भी निर्णय लेते हैं, वही अंतिम होता है। मेरा मानना है कि उन्होंने जो भी कहा है, वह इस मंशा से कहा है कि कोई भ्रम नहीं रहे।

दरअसल खरगे ने हाल में कहा था कि पार्टी की कर्नाटक इकाई में नेतृत्व के मुद्दे पर भ्रम केवल स्थानीय स्तर पर है, शीर्ष नेतृत्व में नहीं। राज्य में सत्तारूढ़ दल के भीतर संघर्ष 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की आधी अवधि पूरी होने के बाद तेज हो गया है।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच 2023 में कथित सत्ता-साझेदारी समझौते से इस अटकल को बल मिला। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक के. एन. राजन्ना के राहुल गांधी को लिखे पत्र के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने वह पत्र नहीं देखा है और वह उसे देखने के बाद ही प्रतिक्रिया दे पाएंगे। राजन्ना ने 11 नवंबर को लिखे पत्र में कहा था कि यदि डी. के. शिवकुमार ने पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के रूप में बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति में खामियों को दूर किया होता तो कांग्रेस 2024 में कर्नाटक में लोकसभा की आठ से 10 सीट और जीत सकती थी।

उद्घाटन

सेक्रेटरी आईटीबीटी डॉ. मंजुला और प्रेसिडेंट फिक्की यूएम रेड्डी, संजीव गुप्ता, टी साईराम और अन्य, बुधवार को बेंगलूरु में टेक–टॉक डिस्ट्रिक्ट्स टू डिजिटल पावर हाउस प्रोग्राम के दौरान।

देशभर में ईसाइयों को 'निशाना' बनाया जा रहा है : सतीशन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) वी डी सतीशन ने बुधवार को आरोप लगाया कि देशभर में ईसाइयों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और संघ परिवार कई राज्यों में क्रिसमस समारोहों में नियमित रूप से बाधा डाल रहा है।

सतीशन ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर फेसबुक पर एक पोस्ट में दक्षिणपंथी समूह पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, ''कई राज्यों में संघ परिवार द्वारा क्रिसमस समारोहों में बाधा डालना एक आम बात हो गई है। पूरे देश में ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि केरल में भी हाल में पलक्कड़ जिले में एक कैरोल समूह को रोका गया था।

भाजपा के अल्पसंख्यक संपर्क कार्यक्रम पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि क्रिसमस समारोह के दौरान दोस्ताना व्यवहार दिखाने वाले लोग वास्तव में ''भेड़ की खाल में भेड़िया'' हो सकते हैं।

उन्होंने किसी का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि वे उन ताकतों का हिस्सा हैं जो देशभर में ईसाइयों के खिलाफ हमलों में शामिल हैं।

उन्होंने बाइबिल के वितरण के खिलाफ संघ परिवार के कथित विरोधी रुख पर भी सवाल उठाया। सतीशन ने इस तरह के रुख को असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी बताया और कहा कि इसका पूरे देश में विरोध किया जायेगा।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 43 UBL 2025-26 , दिनांक: 16.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/विजयपुरा क्षेत्राधिकार पर निंबाल, क्यातनकेरी, गुलेदगुड्डा, इंडी रोड स्टेशनों और ट्रैक मशीनों के लिए दो (02) साल की अवधि तक रेलवे ओवरहेड टैंकों में पंपिग कार्य के साथ प्राइवेट एजेंसियों से पेय जल का आपूर्ती और ट्रैन्सपोर्टेशन।	रु. 20,08,800/-
2	हुबली विभाग: इब्राहिंपुर हाल्ट स्टेशन का प्रस्तावित निर्माण कार्य और पीएफ शेल्टर और सर्क्युलेटिंग प्रदेश का सुधारण कार्य।	रु. 1,18,59,413/-
3	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/प्र.का./हुबली क्षेत्राधिकार पर एटी वेल्डिंग का आपूर्ती।	रु. 1,15,73,588/-
4	हुबली विभाग: हुबली में एसएसई/पी.वे/पूप्र/हुबली कार्यालय बिल्डिंग स्टोर्स, एप्रोच रोड और फ्रंट साईड कांपाऊंड दिवार का निर्माण कार्य।	रु. 1,52,64,940/-
5	हुबली विभाग: हुबली ब्रूक रोड ऑफीसर्स कालोनी पर 06 यूनिट टाईप-5 का कर्मचारी गृहों का प्रस्तावित निर्माण कार्य।	रु. 3,88,36,435/-
6	हुबली विभाग: हुबली गॉल्फ लिंक ऑफीसर्स कालोनी पर 06 यूनिट टाईप-5 का कर्मचारी गृहों का प्रस्तावित निर्माण कार्य।	रु. 3,88,36,435/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.01.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
PUB/753/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
नीलामी कार्यक्रम सूचना सं: S/XIII/04/2025-26
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली, मैसूरु और बेंगलुरु विभाग पर जनरल स्टोर्स डिपो/हुबली और मैकेनिकल जनरल स्टोर्स डिपो/अशोकपुरम के अधिकार क्षेत्र के तहत ऑन-लाइन स्क्रैप, सेवा योग्य लोकोमोटिव और डिपो स्क्रैप की बिक्री के लिए जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 के महीनों के दौरान आयोजित होने वाली ई-नीलामी की अनुसूची इस प्रकार है।

निलामी के प्रकार	स्थान	जनवरी 2026			फरवरी 2026			मार्च 2026			
ई-निलामी	जनरल स्टोर्स डिपो/हुबली	5वां	12वां	21वां	3रा	12वां	20वां	2रा	9वां	14वां	28वां
	मैकेनिकल जेनरल स्टोर्स डिपो, अशोकपुरम (मैसूरु)	6वां	13वां	22वां	4वां	13वां	23वां	7वां	13वां	20वां	27वां
	हुबली विभाग	7वां	16वां	28वां	6वां	16वां	24वां	3रा	10वां	16वां	24वां
	बेंगलूरु विभाग	8वां	19वां	29वां	9वां	17वां	25वां	5वां	11वां	17वां	25वां
	मैसूरु विभाग	9वां	20वां	30वां	10वां	18वां	26वां	6वां	12वां	18वां	26वां

सेवा योग्य लोकोमोटिव की बिक्री: निम्नलिखित चौदह नं में बेकार, अधिशेष, कम आयु वाले और सेवा योग्य लोकोमोटिव वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक/बेंगलुरु की ई-नीलामी में हैं अर्थात डब्ल्यूडीजी3ए-13031, 13056, 13118, 13243, 13249, 13263, 13268, 13299, 13270, 13331, 14796, डब्ल्यूडीएम3ए- 14082, 14084, 16670.
आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त निर्धारित ई-नीलामी में सक्रिय रूप से भाग लें। विवरण के लिए कृपया उप मुख्य सामग्री प्रबंधक / जनरल स्टोर डिपो / हुबली (0836-2363466/9731668760), उप मुख्य सामग्री प्रबंधक / मैकेनिकल जनरल स्टोर डिपो / अशोकपुरम (0821-2480171/9731665756), वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक / हुबली (0836-2363497/9731668750), वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक / बेंगलुरु (080-22873081/9731666750), वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक / मैसूरु (0821-2420817/9731667750) से संपर्क करें।
लोको के लिए वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक इंजीनियर/डीजल लोको शेड/कृष्णराजपुरम - 9731666451 और वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर्र/डीजल लोको शेड/कृष्णराजपुरम - 9731666482 से संपर्क करें।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in/E-auction में
PUB/767/AAF/PRB/SWR/2025-26 उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण/हुबली/प्र.का
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने के कारण मैच की अनुमति नहीं दी गई : गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) सुरक्षा संबंधी जरूरतों का पालन करने में नाकाम रहा है जिसके कारण शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने केएससीए को न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के अध्यक्षता वाले आयोग की सिफारिशों का पालन करने की सलाह दी और कहा कि इसके बाद ही उनके अनुरोध पर विचार किया जा सकता है। राज्य के गृहमंत्री ने कहा कि सरकार इस मामले में कोई भी फैसला जल्दबाजी में नहीं करेगी।

बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने मंगलवार को कहा था कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में 24 दिसंबर को विजय हजारे ट्रॉफी मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई है। केएससीए ने फिलहाल दर्शकों के बिना मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिताबी जीत का चार जून को जश्न मनाए जाने के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से इस स्टेडियम में मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी।

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा, वेंकटेश प्रसाद (पूर्व क्रिकेटर) के नेतृत्व वाले केएससीए का प्रशासन ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट मैच आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। मंत्रिमंडल ने चर्चा के बाद मुझे गृह मंत्री होने के नाते इस मामले में फैसला करने के लिए अधिकृत किया गया। उन्होंने कहा कि भगदड़ के बाद सरकार ने इस मामले की जांच करने और रिपोर्ट पेश करने के लिए न्यायमूर्ति कुन्हा आयोग का गठन किया था। आयोग ने कुछ सिफारिशें की थी और केएससीए को उनका अनुपालन करने के लिए कहा गया था।

परमेश्वर ने कहा, लेकिन, ऐसा प्रतीत होता है कि अब तक उन्होंने (केएससीए) किसी भी सिफारिश का पालन नहीं किया है। परमेश्वर ने स्टेडियम में क्रिकेट मैचों के आयोजन की अनुमति देने पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया था। समिति ने सोमवार को स्टेडियम का दौरा किया था। गृह मंत्री ने कहा कि समिति ने स्टेडियम के दौरे के दौरान पाया कि केएससीए ने किसी भी सिफारिश का पालन नहीं किया है, जिसके आधार पर यह निर्णय लिया गया कि स्टेडियम में मैच आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इसकी सूचना केएससीए को दे दी गई है।

विद्यार्थी ऐसे विषयों पर शोध करें, जिनका लाभ देश और समाज को मिले : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी शोध के लिए ऐसे विषयों का चयन करें, जिनका देश और समाज को लाभ मिले। साथ ही विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता में वृद्धि हो। ाज्यपाल बागड़े बुधवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के संत मीराबाई सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शोध का वृहद स्तर और दीर्घकालीन लाभ मिले। विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र बनें। विद्यार्थियों को यहां शिक्षा का बेहतर वातावरण मिले। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों को साफ-सुथरा, हरा-भरा बनाए रखने और शिक्षकों को भी अपने पद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने संयमित दिनचर्या के महत्व को बताया और विद्यार्थियों से योग एवं प्राणायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। हमारी बौद्धिक क्षमता का पूरी दुनिया लोहा ने माना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में भारत, विश्व की 12वीं और वर्ष 2014 में 11वीं बड़ी अर्थवस्था थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से मां के नाम एक पेड़ लगाने का आह्वान किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि समाज ने हमें बहुत दिया है। हमें समाज के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए। उन्होंने भारत की संस्कृति को समृद्ध बताया और कहा कि राजस्थान सूरों, धर्मात्माओं और संतों की नगरी है। राज्यपाल ने महाराजा गंगा सिंह को दूरदृष्टा बताया और कहा कि उनके भागीरथ प्रयासों से आई गंगनहर ने रेगिस्तान को हरा-भरा किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के सैन्य योगदान को भी रेखांकित किया और कहा कि गंगा रिसाला और ऊंटों की सेना ने प्रथम विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2024 की कुल 1 लाख 20 हजार 812 उपाधियां प्रदान की गई। साथ ही 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2024 की अवधि में कुल 46 शोधार्थियों, जिनमें 22 पुरुष एवं 24 महिलाओं को विद्यावाचस्पति (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में परीक्षा वर्ष 2024 की परीक्षाओं में अपने विषयों में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले कुल 65 विद्यार्थियों, जिनमें 9 पुरुष एवं 56 महिला को स्वर्ण पदक दिए गए। विधि संकाय की सुलावण्या शर्मा को कुलाधिपति पदक एवं सामाजिक विज्ञान संकाय की सुतन्नू को कुलगुरु पदक प्रदान किया गया।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में संचालित होने वाली ई-फाईलिंग एवं विश्वविद्यालय के कैलेण्डर का लोकार्पण किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ओर विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचारों और गत वर्षों में अर्जित उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। विश्वविद्यालय द्वारा कुलगीत और विश्वविद्यालय वृत्तचित्र का प्रस्तुतीकरण किया गया।

केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर अरावली को खनन माफिया के हाथों बेचने का षड्यंत्र रचा : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को केंद्र और राज्य सरकार पर अरावली को खनन माफिया के हाथों बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर अरावली को बेचने का जो षड्यंत्र रचा है और उच्चतम न्यायालय में जिस तरीके से इन्होंने अरावली को खत्म करने की पैरवी की है, उसका कांग्रेस विरोध करेगी। डोटासरा ने कहा कि अभी आमजन में विरोध है और युवा कह रहा है कि हमारा कल बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि यदि अरावली को खनन माफिया के हवाले कर दिया जाएगा तो आने वाले भारत की तस्वीर क्या होगी?

डोटासरा ने कहा, हमने जिलों में मंडल और ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय किया है। इसके लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर जल्द कार्य योजना जारी की जाएगी। डोटासरा कहा कि केंद्र सरकार को उच्चतम न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दाखिल करनी चाहिए।

डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए दावा किया कि जब से भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बने हैं तब से नौकरशाही बेलगाम है। उन्होंने कहा जनप्रतिनिधियों की चल नहीं रही है। जब मंत्री का यह हाल हो गया है तो आमजन का क्या होगा।

राजस्थान को फिल्म शूटिंग का गंतव्य बनाने के लिए प्रोत्साहन नीति जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य को फिल्म शूटिंग का पसंदीदा गंतव्य बनाने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति2025' जारी की। शर्मा ने इसे राजस्थान को फिल्मांकन का प्रमुख केंद्र बनाने की नयी पहल करार देते हुए कहा कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, मरुस्थलीय भूभाग, ऐतिहासिक किले, महल और विविध प्राकृतिक स्थल विश्वस्तरीय हैं। उन्होंने कहा कि नई फिल्म पर्यटन नीति युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस नीति में सब्सिडी, प्रोत्साहन और व्यापार सुगमता से जुड़े व्यापक प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिससे यह अन्य राज्यों की तुलना में फिल्म निर्माताओं के लिए अधिक आकर्षक होगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए न केवल सब्सिडी दी जाएगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाकर नीति के सुगम और प्रभावी क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित किया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, राजस्थान में फीचर फिल्म, वेब शृंखला, टीवी धारावाहिक और वृत्तचित्र की शूटिंग पर किए गए व्यय का अधिकतम 30 प्रतिशत तक सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है। अधिकतम सब्सिडी सीमा फीचर फिल्म के लिए तीन करोड़ रुपये, वेब शृंखला के लिए दो करोड़ रुपये, टीवी धारावाहिक के लिए 1.5 करोड़ रुपये और वृत्तचित्र के लिए दो करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

इसके तहत पर्यटन विभाग राज्य के सभी शूटिंग स्थलों की एक विस्तृत सूची तैयार करेगा। साथ ही एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें निर्माता-निर्देशक, कलाकार, तकनीशियन, संगीतकार, कोरियोग्राफर और लाइन प्रोड्यूसर सहित फिल्म उद्योग से जुड़े सभी पेशेवरों की जानकारी उपलब्ध होगी।

राजस्थान में फिल्माई गई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त फीचर फिल्मों को अधिकतम छ1 करोड़ तथा भारत सरकार के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त फिल्मों को अधिकतम छ50 लाख प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया पुणे, सत्यजीत रे फिल्म एन्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट कोलकाता और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली (एनएसडी) में अध्ययन / प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले राजस्थान निवासी छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। प्रत्येक वर्ष 10 छात्रों को चयनित कर अधिकतम छ50,000 की 100% ट्यूशन फीस सहायता एवं छ5,000 प्रतिमाह तक 100% स्टाईपेंड प्रदान किया जाएगा।

पर्यटन विभाग राज्य की सभी शूटिंग लोकेशन्स की विस्तृत डायरेक्टरी तैयार करेगा। साथ ही एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें निर्माता निर्देशक से लेकर कलाकार, तकनीशियन, संगीतकार, कोरियोग्राफर और लाइन प्रोड्यूसर तक सभी की सूची उपलब्ध रहेगी। यहथिएटर में रिलीज होने वाली हिंदी फिल्मों को न्यूनतम 200 स्क्रीन, राजस्थानी फिल्मों को 25 स्क्रीन और अन्य भाषाओं की फिल्मों को 100 स्क्रीन पर रिलीज करना अनिवार्य होगा।

सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वित्त विभाग के तत्वाधान में सार्वजनिक उपापन प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं पूर्णतः डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिंगल होलिस्टिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (एसएचपीपी) के परिचय, आमुखीकरण एवं लॉन्चिंग के संदर्भ में बुधवार को उेएठठ- भवन में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया द्वारा की गई।

इस अवसर पर वैभव गालरिया ने सार्वजनिक उपापन प्रणाली की वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए एसएचपीपी को एक यूनिफाइड सॉल्यूशन बताया, जो विभिन्न प्रक्रियाओं को एकीकृत कर सरकारी खरीद को अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएगा। कार्यशाला में शासन सचिव, बजट राजन विशाल द्वारा एसएचपीपी की अवधारणा, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि एसएचपीपी की प्रभावी क्रियान्विति से संविदा प्रबंधन एवं सार्वजनिक उपापन प्रणाली सुदृढ़ होगी, जिससे राजकीय योजनाओं एवं परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट का समयबद्ध एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा तथा विकास कार्यों को गति मिलेगी। एसएचपीपी एक एकीकृत प्रणाली है, जिसमें एसपीपीपी,ई-प्रोक्योरमेंट, ऋशाच एवं थ-च जैसे प्लेटफॉर्म्स को एकीकृत कर एक ही सिंगल डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है।

क्रिसमस

राजस्थान के बीकानेर में बुधवार को क्रिसमस से पहले सांता क्लॉज़ की ड्रेस पहने एक व्यक्ति बच्चों को गिफ्ट बांटता हुआ।

युवक-युवती के शव पेड़ से लटके मिले

जयपुर। जयपुर के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार को एक युवक और एक युवती के शव पेड़ से लटके मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दोनों शव धोबलाई नदी के किनारे स्थित एक पेड़ से लटके हुए पाए गए। मृतकों की पहचान नरेंद्र और नीलम के रूप में हुई है। उसने बताया कि दोनों के शव एक ही पेड़ से अलग-अलग रस्सियों से लटके हुए थे। घटना की सूचना मिलने पर फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए चौमूं स्थित सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है। गोविंदगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक राजेश जांगिड़ ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच में यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। जांगिड़ ने बताया कि नरेंद्र के खिलाफ पहले भी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज था और वह उस प्रकरण में जेल की सजा काट चुका था। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

ष्टिबाधितों का सम्मेलन आज से जयपुर में

जयपुर। देश भर के दृष्टिबाधितों का चार दिवसीय सम्मेलन बृहस्पतिवार, 25 दिसंबर से यहां शुरू होगा। इसका आयोजन दृष्टिबाधितों के लिए काम कर रही संस्था 'रिकॉर्डिंग क्लब' करवा रही है। आयोजकों ने एक बयान में बताया कि कार्यक्रम में देश के दस राज्यों से 350 से ज्यादा दृष्टिबाधित ज्ञान, मनोरंजन, नवाचार के लिए इसमें शामिल होंगे। इस दौरान देश के जाने माने दृष्टिबाधित कवियों की ओर से काव्यपाठ एवं कवि सम्मेलन होगा। साथ ही 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) की तर्ज पर 'कौन बनेगा रिकॉर्डिंग क्लब चैंपियन' प्रतियोगिता होगी। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) के दैनिक जीवन में उपयोग पर एक विशेष कार्यशाला भी होगी।

नौवीं कक्षा के छात्र ने खुदकुशी की

जयपुर। सीकर में नौवीं कक्षा के एक छात्र ने फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, उद्योग नगर थाना इलाके में बुधवार को नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने घर पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कर शव परिजन को सौंप दिया। मृतक के पास से कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। थानाधिकारी राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि गिर्राज (14) सीकर में पढ़ाई के लिए आया था और अपनी मां और बड़ी बहन के साथ राधा किशनपुरा एरिया में किराए के मकान में रहता है। वह सीकर में प्राइवेट इंस्टीट्यूट में नौवीं क्लास में था। बुडानिया के अनुसार, गिर्राज की मां बेटी को कोचिंग छोड़ने गई थी और जब वापस घर आई तो अंदर से कमरा बंद था। उसने काफी देर तक आवाज लगाई और अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो गिर्राज फंदे से लटका हुआ मिला।

राजस्थान में शीतलहर से ठिठुरन बढ़ी

जयपुर। राजस्थान में उत्तरी हवाओं के प्रभाव से मंगलवार रात को तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई जिसके बाद राज्य में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। वहीं, उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में सीकर का फतेहपुर सबसे ठंडा स्थान रहा, यहां न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद नागौर में न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग ने बताया कि सीकर में रात का न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस रहा जबकि चूरू में यह 5.8 डिग्री, माउंट आबू में 6.6 डिग्री, झुंझुनू में 6.8 डिग्री और पिलानी में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दौसा में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ जैसलमेर, भीलवाड़ा, जयपुर, कोटा और बाड़मेर में न्यूनतम तापमान क्रमश: 8.8 डिग्री, 10.5 डिग्री, 11 डिग्री, 12.2 डिग्री और 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने बताया कि राज्य के कुछ हिस्सों में ठंड का प्रकोप जारी रह सकता है।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने किया राजस्थान के लोकायुक्त सचिवालय के 'लोगो' का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास के मुख्य आतिथ्य में बुधवार को शासन सचिवालय में लोकायुक्त सचिवालय के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अनावरण किया गया। इस दौरान लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा, महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया भरत व्यास, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद एवं प्रो. रामसेवक दुबे सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रतीक चिन्ह में वर्णित झन्यायो नीति: च शासनम्ञ वाक्य लोकायुक्त संस्था को पूर्णत: परिभाषित करता है। यह प्रतीक चिन्ह ईमानदारी का मार्ग प्रशस्त करता है, जहां सत्यनिष्ठा ही सुशासन की आधारशिला है। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार के सभी कार्मिकों से सत्यनिष्ठा की शपथ लेने का आह्वान भी किया। मुख्य सचिव ने बताया कि 25 दिसम्बर को राजस्थान में सुशासन दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश में सेवा वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जन शिकायतों के प्रभावी निराकरण में किए गए सुधारों से राजस्थान, सुशासन सप्ताह2025 में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य में शामिल हुआ है।

लोकायुक्त प्रताप कृष्ण लोहरा ने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह लोकायुक्त सचिवालय की विशिष्ट पहचान का प्रतीक है, जो पारदर्शिता, निष्पक्षता, न्यायप्रियता तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध अटल संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह राजस्थान की मिट्टी, इतिहास, संस्कृति एवं मूल्यों को समेटे हुए है। प्रतीक चिन्ह की विशेषताएं उल्लेखित करते हुए उन्होंने कहा कि यह जनसामान्य में लोकायुक्त संस्था के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा संस्था की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस अवसर पर सचिव लोकायुक्त गौरी शंकर शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि लोकायुक्त लोहरा की नवाचारी सोच ने इस अनूठे विचार को मूर्त रूप दिया है।

भगवान महावीर कैंसर अस्पतालः क्रिसमस सेलिब्रेशन में झूमे बाल कैंसर रोगी और कैंसर के विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में बुधवार को बाल कैंसर रोगियों एवं कैंसर विजेताओं के लिए क्रिसमस डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। कैंसर केयर (महिला प्रकोष्ठ) और ड्रीम्ज़ फाउंडेशन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के लिए मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य इलाज के दौर से गुजर रहे बच्चों और कैंसर से जंग जीत चुके सर्वाइवर्स के चेहरों पर मुस्कान लाना एवं उनमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना रहा।

इस मौके पर अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एस सी पारीक (सेवानिवृत) ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुए यह सभी बच्चे फाइटर है। इनमें कुछ बच्चे कैंसर की जंग जीत चुके है और कुछ की जंग अभी जारी है। हमें इन बच्चों से सीखना चाहिए कि किस तरह जीवन में हर हाल में खुश रहे। कार्यक्रम में सांताक्लॉज ने बच्चों को ना सिर्फ उपहार और चॉकलेट दिए बल्कि उन्हें कई तरह के गेम्स भी खिलाए। सान्ताक्लॉज ने बच्चों को हंसाते हुए उनके साथ डांस कर कुछ पल के लिये उनके दर्द, दुख, तकलीफों से दूर करते हुए उनके बीच खुशियां फैला दी। सेलिब्रेशन के दौरान बाल रोगियों की ओर से डांस, कविता और गानों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। बच्चों के लिए संगीतमय कार्यक्रम, खेल गतिविधियां एवं पास-द-पार्सल जैसे मनोरंजक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे उत्साह और आनंद के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सुमर कोठारी एवं प्रीयल गर्ग की ओर से बच्चों को उपहार वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरों पर विशेष खुशी देखने को मिली।

सरकारी जमीन या पौराणिक स्थल पर कब्जे के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई होकर रहेगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि यदि कोई व्यक्ति सरकारी जमीन या किसी पौराणिक स्थल पर कब्जा करेगा तो उसके खिलाफ सरकार का बुलडोजर जरूर चलेगा और उसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर हर व्यक्ति को न्याय दिलाया है और प्रदेश में बने सुरक्षा के माहौल ने ही उत्तर प्रदेश को लेकर दुनिया का नजरिया बदला है।

विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई माफिया सरकारी जमीन पर कब्जा कर जबरन शॉपिंग मॉल बनाए या कोई व्यक्ति अनैतिक गतिविधियों में लिप्त पाया जाए, तो उस पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का वातावरण सभी के लिए जरूरी है और इसी ने प्रदेश की छवि बदली है। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मुखातिब होते हुए आदित्यनाथ ने कहा, मैं समाजवादी पार्टी और विपक्ष से कहना चाहूंगा कि इधर-उधर की बातें मत कीजिए, यह बताइए कि काफिला क्यों लुटा?

मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाजवादी पार्टी तितर-बितर और अस्त-व्यस्त हो चुकी है और उसने पूरे प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। उसने

अराजकता का जो तांडव खड़ा किया था उसके लिए कौन दोषी था? दुर्दांत माफिया और अपराधियों के प्रति सरकार की क्या नीति होनी चाहिए, सरकार ने वह करके भी दिखाया है।'' उन्होंने कहा कि 2017 में भाजपा सरकार बनने से पहले उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा अच्छी नहीं थी, लेकिन अब राज्य में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी को घेरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, न्याय कैसे होता है... आप ही की पार्टी से चुनी गई सदस्य पूजा पाल को आप न्याय नहीं दिला पाए, क्योंकि आप में हिम्मत नहीं थी। माफिया के सामने झुकना आपकी मजबूरी थी।'' किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, आप गुंडों और माफियाओं के सामने एक गरीब बेटी को न्याय नहीं दे पाए। आप पीडीए (सपा का पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक का नारा) की बात करते हैं, क्या वह पीडीए का हिस्सा नहीं थी? आदित्यनाथ ने कहा, न्याय कैसे होता है, यह हमारी सरकार ने तय किया है। बेटी सत्ता पक्ष की हो या विपक्ष की, उसे हर हाल में न्याय मिलेगा। उन्होंने सपा विधायक विजमा यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि जब वह अपने पति जवाहर पंडित की हत्या के दोषी भाजपा नेता उदयभान करवरिया की सजा माफ किए जाने पर न्याय की गुहार लेकर आई थीं, तब सरकार ने उन्हें सुरक्षा देने का आश्वासन दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, विजमा यादव को भी मैंने बुलाया था। मैंने उनसे कहा था कि आपको सुरक्षा हम देंगे। क्योंकि केवल एक सदस्य की बात नहीं, आपके और मेरे समर्थक की बात नहीं है, सत्ता पक्ष और विपक्ष के समर्थकों की बात नहीं है। देश की हर बेटी, हर व्यापारी और हर नागरिक को सुरक्षा का माहौल मिलना चाहिए। यह सरकार की प्राथमिकता में है।''

ओडिशा सरकार ने 1,333 करोड़ रुपए के 11 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बुधवार को 1,332.80 करोड़ रुपए के निवेश की 11 औद्योगिक परियोजनाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी प्राधिकरण (एसएलएसडब्ल्यूसीए) ने खाद्य और समुद्री भोजन प्रसंस्करण, कपड़ा और परिधान, रसायन, हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया, पर्यटन, लॉजिस्टिक और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावों को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि परियोजनाएं अंगुल, कटक, ढेंकनाल, गंजम, जगतसिंहपुर, खुर्दा और मयूरभंज जिलों में लागू की जाएंगी। अधिकारियों ने कहा कि गंजम जिले में 250 करोड़ रुपए के निवेश से 20,000 टन की हरित अमोनिया इकाई प्रस्तावित की गई है।

कर देने वाले उपभोक्ताओं को पूरा लाभ और न्याय मिलना चाहिए : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि आम नागरिक जब जीएसटी सहित किसी भी रूप में कर अदा करता है, तो उसे उपभोक्ता के रूप में पूरा लाभ और न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कर चुकाने के बाद उपभोक्ताओं के साथ किसी भी स्तर पर अन्याय स्वीकार्य नहीं है।

उपभोक्ता दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी व्यवस्था ने देश में कर संग्रह को पारदर्शी और पूरी तरह प्रौद्योगिकी-आधारित बनाया है। उन्होंने कहा कि कर प्रणाली में प्रौद्योगिकी का इससे बेहतर उपयोग संभव नहीं था, जिसके परिणामस्वरूप केंद्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। चौधरी ने कहा, ''बिहार जैसे राज्य, जहां बड़ी संख्या में उपभोक्ता हैं, वहां उनके अधिकारों की रक्षा सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उपभोक्ता फोरम में आज भी कई ऐसी शिकायतें आती हैं, जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को और अधिक राहत दी जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने डिजिटल माध्यमों से मामलों के निपटारे, वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा और प्रभावी निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।

नमो भारत ट्रेन में अश्लील हरकत का वीडियो वायरल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। नमो भारत ट्रेन में अश्लील हरकत का वीडियो वायरल होने के सिलसिले में गाजियाबाद के मुरादनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बुधवार को बताया कि वायरल सीसीटीवी फुटेज 24 नवंबर को दुहाई से मुरादनगर स्टेशन तक की यात्रा के दौरान का है जिसमें दुहाई स्थित एक संस्थान के छात्र और छात्रा आपत्तिजनक हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं और पास की सीट खाली हैं।

उसने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की। मुख्य सुरक्षा अधिकारी दुष्यंत कुमार ने ट्रेन ऑपरेटर ऋषभ कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए शिकायत दी है।

शिकायत में कहा गया है कि ऋषभ कुमार ने ट्रेन के सीसीटीवी फुटेज का दुरुपयोग करते हुए अपने मोबाइल फोन से अवैध तरीके से वीडियो रिकॉर्ड किया और उसे सार्वजनिक कर दिया, जिससे कथित रूप से नमो भारत सेवा की छवि खराब हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद ऋषभ कुमार को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि वीडियो में दिखाई दे रहे छात्र और छात्रा को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

कोलकाता में प्रदर्शकारियों पर पुलिस कार्रवाई 'तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा' : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ कोलकाता पुलिस की कार्रवाई की बुधवार को कड़ी निंदा की। पार्टी ने इसे प. बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की ''तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा'' करार दिया। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर उनकी चुप्पी बांग्लादेश की सड़कों पर हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ हत्या के प्रति उनकी ''मौन सहमति'' को दर्शाती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पुलिस कार्रवाई को लेकर ममता सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बांग्लादेश में एक हिंदू मजदूर की हत्या के विरोध में दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन हुए, लेकिन केवल पश्चिम बंगाल में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। भंडारी ने कहा कि पुलिस ने ''हमारे साधुओं और संतों'' को भी नहीं बख्शा। उन्होंने आरोप लगाया, ''पश्चिम बंगाल में 'बाबरी मस्जिद' की नींव रखने में सहयोग देने वाली पुलिस ने बांग्लादेश में एक हिंदू की बर्बर हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं को लाठियों से पीटा। यह तुष्टीकरण की पराकाष्ठा है।''

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़े जाएंगे राज्य के उत्पाद : दिलीप कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि हस्तशिल्प के प्रचार-प्रसार के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ संभावनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए, ताकि राज्य के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ा जा सके।

उद्योग विभाग के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि बिहार के पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प तथा सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को आधुनिक तकनीक, बेहतर विपणन और सशक्त नीतिगत समर्थन के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार को औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर सशक्त बनाया जा रहा है। बैठक के दौरान उद्योग मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ हस्तकरघा एवं रेशम उद्योग, खादी ग्रामोद्योग तथा उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान से संबंधित प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय और भौतिक उपलब्धियों, मानव संसाधन की स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट निर्देश दिया कि विभाग में रिक्त पदों के बारे में सूचना भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए ताकि भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके।

नितिन नवीन ने पटना साहिब में मत्था टेका, दो मंदिरों में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने गृह राज्य बिहार के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बुधवार को पटना साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेका व दो मंदिरों में पूजा-अर्चना की। इसके बाद वह देर शाम दिल्ली रवाना हो गए।

नितिन नवीन ने सिखों के 10वें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी की जन्मस्थली तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब में मत्था टेका। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल तथा पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इससे पहले, भाजपा की प्रदेश इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय सरावगी और अन्य नेताओं के साथ नितिन नवीन ने शहर के बांस घाट के पास स्थित सिद्धेश्वरी काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने ऐतिहासिक गोलघर के पास स्थित मां अखंडवासिनी मंदिर में भी दर्शन किए।

भाजपा की बिहार इकाई के मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने संवाददाताओं को बताया, पदभार ग्रहण करने के बाद बिहार के पहले दौरे पर मंगलवार को नितिन नवीन का भव्य स्वागत किया गया। बुधवार सुबह उन्होंने काली मंदिर में दर्शन किए, जो हम सभी के लिए आस्था का केंद्र है, और गोलघर के पास स्थित मंदिर में भी पूजा की।''

पश्चिम बंगाल में हिंसा, भ्रष्टाचार प्रमुख चुनौतियां हैं : राज्यपाल बोस

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बुधवार को दावा किया कि हिंसा और भ्रष्टाचार राज्य की दो प्रमुख समस्याएं हैं तथा एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के परिसरों को इस तरह के खतरे से मुक्त किया जाना चाहिए।

बोस ने यहां यादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के 68वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान पत्रकारों से कहा कि यह प्रमुख संस्थान अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और प्रतिभाशाली छात्रों के लिए राष्ट्र का गौरव है, लेकिन उन्होंने परिसरों को ''अवांछित तत्वों'' से मुक्त रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल इस समय दो समस्याओं हिंसा और भ्रष्टाचार का सामना कर रहा है, जिनका समाधान आवश्यक है। हमें एक सुरक्षित और निष्पक्ष शैक्षणिक माहौल सुनिश्चित करना होगा। परिसरों को हिंसा के खतरे से मुक्त करना होगा। इस वर्ष और 2023 में परिसर में दो स्नातक छात्रों की अप्राकृतिक मौत के बारे में पूछे जाने पर, राज्यपाल ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति को नहीं रहने दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इन घटनाओं को रोकने के लिए परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति को नहीं रहने दिया जाना चाहिए।

कर्नाटक की समृद्धि त्रिपाठी बनीं केआईआईटी नन्ही परी लिटिल मिस इंडिया 2025 की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/दक्षिण भारत। केआईआईटी नन्ही परी लिटिल मिस इंडिया के सिल्वर जुबली एडिशन का ग्रैंड फिनाले केआईआईटी यूनिवर्सिटी कैंपस में हुआ। इसमें कर्नाटक की समृद्धि त्रिपाठी को चैंपियन का ताज पहनाया गया। यह शानदार कार्यक्रम फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल, फर्स्ट रनर-अप रेखा पांडे और फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2023 नंदिनी गुप्ता की मौजूदगी में हुआ।

इस मशहूर कॉम्पिटिशन के 25वें एडिशन में जब समृद्धि स्टेज पर आईं, तो अपने स्टाइल, टैलेंट, इंटेलिजेंस, एलिगेंस और दयालुता की वजह से सभी कंटेस्टेंट्स के बीच सबसे अलग नज़र आईं। फर्स्ट रनर-अप का खिताब मध्य प्रदेश की प्रांजल शर्मा ने जीता, जबकि तेलंगाना की पी प्रार्थिनी को सेकंड रनर-अप चुना गया। केआईआईटी नन्ही परी के चीफ पैट्रन और केआईआईटी एवं केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत, पैट्रन मलय मोहपात्रा और अन्य अतिथियों ने विजेताओं को ताज पहनाए।

इनाम में मिली इतनी राशि : केआईआईटी नन्ही परी लिटिल मिस इंडिया 2025 में विजेताओं को कुल 56 लाख रुपए की स्कॉलरशिप दी गई। विनर को 28 लाख रुपए की स्कॉलरशिप मिली, जिसमें 10 लाख रुपए का कैश प्राइज और केआईआईटी यूनिवर्सिटी में किसी भी कोर्स को करने के लिए 100 प्रतिशत एकेडमिक फीस माफ़ शामिल है। फर्स्ट रनर-अप को 14 लाख रुपए की स्कॉलरशिप दी गई, जिसमें 5 लाख रुपए का कैश प्राइज और 50 प्रतिशत एकेडमिक फीस छूट शामिल है। सेकंड रनर-अप को 12 लाख रुपए की स्कॉलरशिप मिली, जिसमें 3 लाख

पश्चिम बंगाल में सनातन धर्म सुरक्षित नहीं है : अधिकारी

सागर द्वीप (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य में 'सनातन धर्म' सुरक्षित नहीं है।

दक्षिण 24 परगना के सागर द्वीप में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि जिले भर के विभिन्न मंदिरों में मूर्तियों को तोड़ा गया, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया, ''काकद्वीप में पुलिस की मदद से मूर्तियों को जेल वैन में लादा गया। एक भी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।'' उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से यह धारणा बन गई है कि ''पश्चिम बंगाल में सनातन धर्म और हिंदू सुरक्षित नहीं हैं।'' शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस को अपना रवैया सुधारने या अप्रैल के बाद ''परिणामों'' का सामना करने की चेतावनी दी। अप्रैल में राज्य विधानसभा चुनाव होने हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार के विरोध में पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति की हत्या के विरोध में बुधवार को पश्चिम बंगाल में भारतबांग्लादेश सीमा के कई भूमि पत्तनों पर एक हिंदू समर्थक संगठन के सदस्यों ने प्रदर्शन किए। हावड़ा जिले में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों के बीच झड़प भी हुई।

टकराव उस वक्त शुरू हुआ जब पुलिस ने भाजपा के मार्च को हावड़ा पुल तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया, जिससे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच तीखी बहस हुई। हावड़ा पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम किसी को भी लोगों के सामान्य जनजीवन में बाधा डालने और प्रदर्शन के नाम पर यात्रियों को परेशान करने की अनुमति नहीं देंगे। किसी भी प्रकार की परेशानी पैदा करने के प्रयास को रोकने के लिए हम कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे।'' पुलिस ने जैसे ही मार्च को आगे बढ़ने से रोका, प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और अवरोधक तोड़ने का प्रयास किया जिससे झड़पें हुईं। पुलिस ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी आक्रामक हो गए, जिसके कारण सुरक्षाकर्मियों को उन्हें तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई करनी पड़ी। सनातनी ऐक्य परिषद के सदस्यों ने पड़ोसी देश में हिंदुओं पर अत्याचार होने का आरोप लगाते हुए उत्तर 24 परगना जिले के पेट्रापोल और घोजाडांगा बंदरगाहों, मालदा के मनोहरपुर मुचिया और कूच बिहार जिले के चांगराबांधा में प्रदर्शन किए।

उत्तर 24 परगना में भाजपा विधायक अशोक कीर्तनिया ने जयंतपुर बाजार से पेट्रापोल सीमा की ओर एक जुलूस का नेतृत्व किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने प्रदर्शनकारियों को 'जीरो प्वाइंट' के पास रोक दिया और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए अवरोधक लगाए। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। मार्च के दौरान कीर्तनिया ने कहा कि पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित किए जाने तक बांग्लादेश प्रशासन को ''सबक सिखाने'' के लिए सीमा व्यापार निलंबित रखना चाहिए।

घोजाडांगा सीमावर्ती भूमि पत्तन पर भी इसी तरह के प्रदर्शन की खबरें आईं।

असम के हिंसा प्रभावित वेस्ट कार्बी आंगलोंग में सेना तैनात

दीफू (असम)/भाषा। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने बुधवार को कहा कि हिंसा प्रभावित वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना तैनात की गई है। खेरोनी इलाके में पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने लोगों से हिंसा में शामिल न होने की अपील की और समुदाय के बुजुर्गों से गुमराह युवाओं को यह समझाने के लिए कहा कि समस्याओं को केवल बातचीत के माध्यम से हल किया जा सकता है। हिंसा से सबसे ज्यादा खेरोनी इलाका प्रभावित हुआ है। डीजीपी ने कहा, सेना की टुकड़ियां यहां पहुंच गई हैं और उन्होंने इन इलाकों में मार्च किया है। हालात अब पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि पुलिस पिछले दो दिन में हुई हिंसा की जांच कर रही है। सिंह ने कहा, हम दोषियों को गिरफ्तार करेंगे। पहले स्थिति को स्थिर होने दीजिए। वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में हुई हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई और 38 पुलिस कर्मियों सहित 45 अन्य घायल हो गए।

ओडिशा के भद्रक में बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या, भीड़ ने आरोपी का मकान ध्वस्त किया

भुवनेश्वर/भद्रक/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में 10 वर्षीय बच्ची से कथित रूप से बलात्कार कर उसकी हत्या किए जाने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। भद्रक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनोज कुमार राउत ने बताया कि इस मामले में जगतसिंहपुर जिले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पीड़िता के परिजनों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की और अधिकारियों को कानून के अनुसार मामले की उचित जांच सुनिश्चित करने तथा आरोपियों को सबसे कड़ी सजा दिलाने का निर्देश दिया। घटना के विरोध में विपक्षी दलों बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने बुधवार सुबह छह बजे से अलग-अलग छह घंटे के लिए चांदबाली ब्लॉक बंद का आह्वान किया।

कफ सिरप मामले की उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में जांच हो, नड्डा इस्तीफा दें : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कोडीन युक्त कफ सिरप मामले को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और कहा कि उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश की निगरानी में जांच हो तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा अपने पद से इस्तीफा दें। पार्टी प्रवक्ता और सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि उनके बुलडोजर का डीजल खत्म हो गया या इसका ड्राइवर 'कोडीन' पीकर सो रहा है। उन्होंने सवाल किया कि मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल और पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर कार्रवाई कब होगी?

सुप्रिया ने संवाददाताओं से कहा, ''कोडीन मामले में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ठोककर ठोस कार्रवाई की जा रही है और अभी तक कोई मौत नहीं हुई है। मतलब जब किसी की मौत होगी, तभी संगीन मामला बनेगा और बुलडोजर निकलेगा। लोगों की किडनी खराब हो या लोग नशे के शिकार हों- इनसे सरकार को मतलब नहीं है। '' उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में सिर्फ लीपापोती की गई। सुप्रिया का कहना था, ''ऐसे में सवाल उठता है कि मामले का मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल कहां है? धनंजय सिंह कहां है? इनके ऊपर कार्रवाई कब होगी?''

कांग्रेस नेता नेता ने दावा किया, ''सालों से योगी जी की नाक के नीचे एक गोरखधंधा चल रहा था, जो जौनपुर, गाजीपुर, कानपुर, गाजियाबाद से होते हुए अंतरराष्ट्रीय हो गया और यूपी सरकार को भनक तक नहीं लगी।'' उन्होंने सवाल किया, '' 500 करोड़ कमाने वाले शुभम जायसवाल का नाम सामने आया तो वह देश छोड़ कर कैसे भाग गया? वह भाग गया या भगाया गया?'' सुप्रिया ने कहा, ''इस मामले में छोटे-छोटे लोगों की गिरफ्तारी करके किसको बचाया जा रहा है, आखिर वो बड़ी मछलियां कौन हैं और धनंजय सिंह पर कार्रवाई कब होगी?'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''योगी जी, आपका बुलडोजर कहां है, उसका डीजल ख़त्म हो गया या फिर बुलडोजर का ड्राइवर भी 'कोडीन' पीकर सो गया है?'' सुप्रिया ने सवाल किया, ''केंद्र सरकार इस पर चुप क्यों है? स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा इस मामले में चुप क्यों हैं?

सुविचार

प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत आपके अपने विचार है, इसलिए बड़ा सोचें और खुद को जितने के लिए हमेशा प्रेरित करें।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नकली निवेश योजनाएं, असली नुकसान

पंजाब के पटियाला में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक सेवानिवृत्त अधिकारी जिस तरह बहुत बड़ी साइबर ठगी के शिकार हुए, उससे काफी हैरानी होती है। इन्होंने ठगों को करोड़ों रुपए भेजे और जब सच्चाई का पता चला तो खुद को गोली मार ली। इन पूर्व आईजी ने यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए खूब पढ़ाई की होगी। अपने सेवाकाल में कई पेचीदा केस सुलझाए होंगे। इसके बाद ऐसा क्या हुआ कि ये इतनी आसानी से साइबर ठगों के जाल में फंस गए? एक पूर्व पुलिस अधिकारी, वह भी आईपीएस से उम्मीद की जाती है कि वे खुद सतर्क रहेंगे और समाज को सुरक्षित बनाने में योगदान देंगे। हाल के वर्षों में ऐसे अनगिनत मामले सामने आए हैं, जब उच्च एवं प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत या सेवानिवृत्त लोग बहुत आसानी से साइबर ठगों के झांसे में आ गए। अगर इतने शिक्षित और अनुभवी लोगों का यह हाल है तो आम लोग कितने सुरक्षित हैं? उक्त सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी से साइबर ठगों ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया था, जिसके बाद उन्हें अपने ग्रुप में जोड़ लिया था। ठगों ने उच्च रिटर्न का वादा किया था, जिस पर विश्वास कर सेवानिवृत्त अधिकारी ने 8.10 करोड़ रुपए भेजे थे। रातोंरात मालामाल होने का लालच इन्सान का नुकसान कराता है। ऐसे हजारों लोग हैं, जिनके पास ऊंची से ऊंची डिग्रियां हैं, जीवन का बहुत अनुभव है, लेकिन जब साइबर ठग उन पर लालच का जाल फेंकते हैं तो वे सबकुछ भूलकर उनकी बातों में आ जाते हैं। क्या इन्होंने स्कूल में 'लालच बुरी बला' का सबक नहीं सीखा था?

मुंबई के एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी भी इसी तर्ज पर चलाए जा रहे सोशल मीडिया ग्रुप के शिकार हो गए। उन्हें निवेश पर उच्च रिटर्न का झांसा दिया गया था। उन्होंने मोटा मुनाफा कमाने के लिए 1.35 करोड़ रुपए साइबर ठगों को भेज दिए। जब असलियत सामने आई तो पुलिस की शरण में पहुंचे। अगर कोई आम आदमी साइबर ठगों की बातों पर विश्वास कर रुपए भेजता है तो कह सकते हैं कि उसे जानकारी नहीं थी, लेकिन सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, जिन्होंने अपने सेवाकाल में बहुत कुछ सीखा होगा, भी झांसे में आ गए! साइबर ठग जानते हैं कि सेवानिवृत्त लोगों के पास काफी बचत होती है, इसलिए वे उनके सामने लुभावनी और नकली निवेश योजनाएं पेश करते हैं। जब कोई शिकार फंस जाता है तो उसे और निवेश करने के लिए कहते हैं। धीरे-धीरे उसकी पूरी बचत हड़प लेते हैं। आखिर में उसे सोशल मीडिया ग्रुप से बाहर निकालकर अपने फोन नंबर बंद कर देते हैं। सेवानिवृत्त लोगों को ऐसी निवेश योजनाओं से बहुत सावधान रहना चाहिए, अन्यथा एक ही झटके में ज़िंदगीभर की बचत से हाथ धोना पड़ सकता है। अगर कोई व्यक्ति या ग्रुप उच्च रिटर्न का वादा करे, तो स्वयं से एक सवाल जरूर पूछें- 'जब इतना फायदा हो रहा है तो इस व्यक्ति या ग्रुप को मुझसे रुपए क्यों मांगने पड़ रहे हैं ... ये लोग खुद ही निवेश कर मालामाल क्यों नहीं हो जाते?' उक्त सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ने निवेश योजना में पहले दिन 80,000 रुपए जमा कराए थे। अगले दिन उनके निवेश विवरण में 88,000 रुपए नजर आए। क्या किसी सुरक्षित निवेश योजना में इतना रिटर्न संभव है? अगर ऐसा संभव होता तो आम लोगों को रोजाना घंटों काम करने की क्या जरूरत थी? हर कोई घर बैठकर करोड़पति बन जाता। नकली निवेश योजनाओं की असलियत जानने के लिए विशेषज्ञ होना जरूरी नहीं है। सामान्य बुद्धि और विवेक का इस्तेमाल कर कोई भी व्यक्ति इनसे बच सकता है। सबसे जरूरी है- लालच से दूर रहें। लालच के वशीभूत होने पर व्यक्ति की बुद्धि नष्ट हो जाती है।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित जनसभा को संबोधित किया तथा लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में सीकर-झुंझुनूं के लिए छ539 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी।

-भजनलाल शर्मा

आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में जागरूक उपभोक्ताओं की अहम भूमिका है। 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' के अवसर पर हम जिम्मेदार नागरिक बनकर उपभोक्ता के रूप में प्राप्त अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे और अन्य लोगों को भी जागरूक करें।

-दिया कुमारी

राजस्थान अफसरशाही का बेलगाम प्रदेश बन गया है। राजस्थान में जब से पर्ची सरकार बनी है, तब से ब्यूरोक्रेसी हावी है। मुख्यमंत्री जी की बात तक उनके अपने गृहजिले में नहीं सुनी जाती। जनप्रतिनिधियों तक की आवाज़ अनसुनी हो रही है तो आम जनता किससे फरियाद करे?

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

बदरीनाथ मंदिर की प्राचीन परंपराएं

बदरीनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक को रावल कहा जाता है। मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश और भगवान बदरी विशाल की मूर्ति को स्पर्श का अधिकार केवल मुख्य पुजारी को है। मंदिर के मुख्य पुजारी को रावल की उपाधि टिहरी नरेश द्वारा दी गई थी। इसके अलावा मंदिर प्रबंधन एवं इससे जुड़ी सभी गतिविधियों का दायित्व भी दिया गया। बदरीनाथ मंदिर में रावल परंपरा की शुरुआत सन 1776 में हुई। तत्कालीन टिहरी नरेश, जब बदरी पुरी के प्रवास पर थे, उन्हें पता चला कि बदरीनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी, जो ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य हुआ करते थे, ब्रह्मलीन हो गए हैं। मंदिर में नियमित पूजा हो, इसके लिए उन्होंने गोपाल नंबूदरी को मंदिर का रावल नियुक्त किया। गोपाल नंबूदरी से बदरीनाथ मंदिर में रावल परंपरा शुरू हुई। बदरीनाथ मंदिर के रावल, मंदिर के कपाट खुलने से मंदिर से देव पूजा शुरू होने तक निरंतर छह माह बदरी पुरी में निवास करते हैं और भगवान बदरी विशाल की पूजा अर्चना करते हैं। बदरीनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी को कड़े नियमों का पालन करना होता है। रावल अलकनंदा नदी को पार नहीं करते हैं और नारायण पर्वत पर निवास करते हैं।

सामयिक

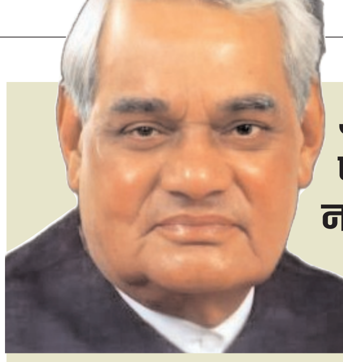

अटल की विदेश नीति जबरदस्त रही। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने कई वैश्विक मंचों पर अपनी ताकत दिखाई। उनके नेतृत्व में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी तरह का समझौता नहीं किया। अटल का व्यक्तित्व सहज और सरल था। अटल ने तत्कालीन केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्री बी. सी. खंडूड़ी के नेतृत्व में स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरुआत की। अटल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए जीने वाले कवि हृदय थे।

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल बिहारी

हर्षवर्धन पान्डे

अटल बिहारी वाजपेयी को भारतीय राजनीति का भीष्म पितामह भी कहा जाता है। उन्होंने करीब 5 दशक तक सियासत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। अटल भारतीय राजनीति के उन नेताओं में से एक थे जिन्हें उनके विरोधी भी पूर्ण सम्मान देते थे। वे केवल एक प्रधानमंत्री नहीं बल्कि एक कवि, प्रखर पत्रकार, ओजस्वी वक्ता और एक संवेदनशील इंसान थे। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को एक क्षेत्रीय पार्टी से राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख राजनीतिक शक्ति के केंद्र के रूप में उभारा। अटल ने भारतीय राजनीति में अपनी अलहदा पहचान को स्थापित किया। सही मायनों में कहा जाए तो अटल को राजनीति का अजातशत्रु कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में कभी किसी से द्वेष नहीं रखा और हर विचारधारा का तहे दिल से सम्मान किया शायद यही वजह रही उनके दरवाजे पर हर नेता, कार्यकर्ता और आमजन की दस्तक हुआ करती थी। अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसम्बर 1924 को ग्वालियर, मध्यप्रदेश में हुआ। उनके पिता श्रीकृष्ण बिहारी वाजपेयी एक स्कूल शिक्षक थे जिन्होंने उन्हें शिक्षा और जीवन के मूल्यों की अहमियत सिखाई। अटल जी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर से प्राप्त की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने राजनीति विज्ञान में भी गहरी रुचि ली और एक अच्छे वक्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनकी बीए की शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कॉलेज में हुई। इसके बाद 1945 में उन्होंने कानपुर के डीएवी कॉलेज में राजनीति शास्त्र से एमए में दाखिला लिया। 1947 में एमए की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसी कॉलेज में एलएलबी में एडमिशन लिया। उनके पिता ने भी उनके साथ यहां एलएलबी में दाखिला लिया हालांकि इस कोर्स को वह बीच में छोड़कर पत्रकारिता के क्षेत्र में आ गए।

अटल जी को छात्र जीवन से ही राजनीति में गहरी रुचि थी। विक्टोरिया कॉलेज में पढ़ाई के दौरान अटल कॉलेज के संघ मंत्री और उपाध्यक्ष भी बने। उस दौर में उनकी सक्रियता ग्वालियर में आर्य समाज आंदोलन की युवा शाखा आर्य कुमार सभा से शुरू हुई।1944 में वह इस सभा के महासचिव भी बने। अटल जी का परिवार पहले से ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से प्रेरित था यही वजह रही उस छात्र दौर में में ही वह आरएसएस से जुड़ गए और तभी से तमाम भाषण, वाद -विवाद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू कर दिया। भारत छोड़ो आंदोलन के दौर में उन्हें जेल भी जाना पड़ा। उस दौर को याद करें तो यही वह दौर था जब भारत ब्रिटिश उपनिवेश का दंश झेलने के बाद आजाद हुआ था और देश बंटवारे के त्रासदी से गुजर रहा था। बंटवारे के चलते दंगों के कारण उन्होंने कानून की पढ़ाई को बीच में ही छोड़ दी। उन्होंने अपना करियर एक पत्रकार के रूप में शुरू किया। पत्रकार के रूप में उन्होंने लम्बे समय तक राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन किया। बाबा साहब आप्टे से प्रभावित होकर उन्होंने 1940 से 1944 के दौरान संघ के अधिकारी प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया और 1947 में प्रचारक बन गए। 1951 में वह भारतीय जनसंघ में शामिल हो गए। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया। इसी वर्ष 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने दक्षिणपंथी राजनीतिक दल की नींव रखी थी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं दीनदयाल उपाध्याय और प्रोफेसर बलराज मधोक इसके संस्थापक संघ थे। इस दौरान संघ ने ब्रिटिश राज के शासनकाल के दौरान शुरू किए गए अपने काम को जारी रखने और अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए एक राजनीतिक दल के गठन पर विचार करना शुरू कर दिया था। 1957 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी से प्रेरित थे और उनकी विचारधारा को अपनाया। इसके बाद उनका राजनीतिक करियर लगातार उन्नति की ओर बढ़ता गया।

भारतीय जनता पार्टी को एक नई दिशा देने में उनकी भूमिका अहम रही। वाजपेयी की बड़ी खूबी सहिष्णुता और बेहतरीन समन्वय थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन से जुड़कर भी उन्होंने कभी हिंदुत्व को संकीर्ण अर्थों में नहीं लिया। अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत ही मिलनसार था। उनके विपक्ष के साथ भी हमेशा सम्बन्ध मधुर रहे। 1975 में आपातकाल लगाने का अटल बिहारी वाजपेयी ने खुलकर विरोध किया। 1977 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में पहली बार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में बनी गैर कांग्रेसी सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने तो उन्होंने पूरे विश्व में भारत की छवि बनाई। विदेश मंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले देश के पहले वक्ता बने। अपनी भाषण कला से दुनिया का दिल जीत लिया। अटल जी के भाषण के मुरीद सब थे, फिर चाहे वे विपक्ष का नेता ही क्यों ना रहा हो। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी उनसे खासा प्रभावित रहते थे। एक बार नेहरू ने जनसंघ की आलोचना की तो अटल ने कहा मैं जानता हूं पंडित जी रोजाना शीर्षासन करते हैं। वह शीर्षासन करें, मुझे उससे कोई आपत्ति नहीं है लेकिन मेरी पार्टी की तस्वीर उल्टी ना देखें। यह सुनते ही जवाहर लाल नेहरू ठहाका मारकर हंस पड़ें। भले ही नेहरू राजनीती में अटल के विरोधी रहे हों, लेकिन उनके मुरीद भी थे। एक बार नेहरू ने भारत यात्रा पर आए एक ब्रिटिश प्रधानमंत्री से वाजपेयी को मिलवाते हुए कहा था इनसे मिलिए, ये विपक्ष के उभरते हुए युवा नेता हैं। हमेशा मेरी आलोचना करते हैं लेकिन इनमें मैं भविष्य की बहुत संभावनाएं देखता हूं। 1961 में जब नेहरू ने राष्ट्रीय एकता परिषद का गठन किया तो उसमें वाजपेयी को शामिल किया जबकि परिषद में में दिग्गज नेता और लोग शामिल थे। अटल उसमें सबसे युवा थे लोकसभा में चुनकर आये थे। 1962 में परिषद की पहली बैठक होनी थी तब वे लोकसभा के सदस्य नहीं रह गये थे। इसके बाद जब वाजपेयी बलरामपुर से चुनाव लड़े तो नेहरू उनके खिलाफ प्रचार करने नहीं गये। 29 मई 1964 मई 1964 में नेहरू के निधन के बाद वाजपेयी ने जो श्रद्धांजलि नेहरू को दी उसे एक यादगार भाषण कहा जाता है। उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे मजबूत व्यक्तित्वों के साथ काम किया और क्षेत्रीय क्षत्रपों को न केवल मजबूत किया बल्कि अपनी सरकार में हर किसी को काम करने की पूरी आज़ादी दी।

भारतीय राजनीती में गठबंधन युग को उन्होंने कुशलता से संभाला। उनके कार्यकाल में भारत ने आर्थिक और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना हो या टेलीकॉम क्रांति, भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र घोषित करना हर जगह उन्होनें अपने विजन से देश को नई दिशा देने का काम किया। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी और इंटरनेट क्रांति की नींव अटल ने अपने मजबूत कार्यकाल में रखकर दुनिया में भारत की धाक जमाई। अटल ने तीन बार देश के पीएम पद की कमान संभाली। अटल बिहारी वाजपेयी ने सम्पूर्ण विश्व को भारत की धमक का अहसास कराया। पोकरण में परमाणु परीक्षण जब भारत ने किया तो अमरीका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने भारत पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए लेकिन उसके बाद भी भारत किसी के आगे नहीं झुका। अटल जी ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में भी सकारात्मक बदलाव की कोशिश की।

लाहौर बस यात्रा पडोसी पाक के साथ कश्मीर मुद्दे के हल और अमन की पहल का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुशर्रफ के साथ पाक के साथ सम्बन्ध सुधारने की भरसक कोशिश अटल ने ही की। उन्होनें 1999 में पहली बार दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू कराई और आगरा समिट करवाकर पाक के साथ नए सम्बन्ध बनाने हेतु एक नए युग की शुरुआत की लेकिन ये मित्रता अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। पाकिस्तानी सेना ने कारगिल क्षेत्र में बड़ी घुसपैठ की जहाँ पाक को हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद उनके नेतृत्व में 1999 के लोकसभा के आम चुनावों में भाजपा फिर सबसे बड़ी पार्टी बनी और एनडीए सरकार बनायी। कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने पाकिस्तान को दो टूक सन्देश दिया हम शांति की राह पर चलने वाले पडोसी हैं अगर युद्ध के लिए उकसाया तो करारा जवाब देंगे।

अटल की विदेश नीति जबरदस्त रही। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने कई वैश्विक मंचों पर अपनी ताकत दिखाई। उनके नेतृत्व में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर किसी तरह का समझौता नहीं किया। अटल का व्यक्तित्व सहज और सरल था। अटल ने तत्कालीन केन्द्रीय भूतल परिवहन मंत्री बी. सी. खंडूडी के नेतृत्व में स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरुआत की। अटल सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए जीने वाले कवि हृदय थे। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत-अमेरिका संबंधों में नया अध्याय जुड़ा जब बिल क्लिंटन की भारत यात्रा हुई और इसके तत्काल बाद जॉर्ज बुश के साथ निकटता से संबंधों में बड़ी गर्मजोशी आई जिससे न्यूक्लियर डील की नींव पड़ी जो बाद में मनमोहन सरकार के दौर में पूर्ण हुई । अटल की सरकार ने के रहते देश में हर क्षेत्र में विकास की नई गौरवगाथा लिखी गई। 2004 में जब लोकसभा चुनाव हुआ तब उनके नेतृत्व में भारत उदय और फील गुड फैक्टर का नारा देकर चुनाव लड़ा गया लेकिन इस फैक्टर की हवा निकल गई और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए की सरकार बनी और भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा कर दी।

अटल भारतीय राजनीति के ऐसे चमकीले सितारे कहे जा सकते हैं जिनकी धमक भारत की राजनीती में हमेशा बनी रहेगी। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में एक ऐसे नेता थे जिन्होंने कविता की भाषा में राजनीति की और राजनीति की भाषा में कविता की। उन्होंने समावेशी राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व किया। अटल का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। सही मायनों में अगर कहा जाए तो अटल भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे। देश अटल जी के योगदान को कभी भुला नहीं पायेगा। वाजपेयी जी एक संवेदनशील कवि, एक राष्ट्रवादी पत्रकार, जननेता, राष्ट्रनायक थे। आज जब हम राजनीति में नफरत, तिरस्कार और ध्रुवीकरण देखते हैं तब अटल का व्यक्तित्व युगपुरुष का जीता-जागता प्रतीक बन जाता है। भारत ने कई प्रधानमंत्री देखे लेकिन अटल सरीखा दूसरा नेता नहीं देखा। यूँ भी अटल होना आसान नहीं।

नजरिया

बांग्लादेश में हिंदुओं के कत्लेआम पर विश्व की बेशर्म खामोशी

संजय सक्सेना
मोबाइल : 8299050585

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को ज़बरदस्ती गिराने के बाद वहां हिंदू समुदाय पर हो रही बर्बरता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। हिन्दुओं पर अत्याचार के मामले में बांग्लादेश भी पाकिस्तान की राह पर चलता नज़र आ रहा है। हसीना की सरकार जाने के बाद बांग्लादेश में करीब दो सौ हिंदुओं की हत्या हो चुकी है, उनकी करोड़ों की संपत्ति लूटी जा चुकी है और हिंदू लड़कियों व महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार जैसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं। भारत सरकार के पास इस संकट से निपटने के लिए कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुप्पी ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि बड़े देश और मीडिया क्यों इस पर गंभीर नहीं हो रहे। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाने के बाद अगस्त 2024 से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले तेज हो गए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त से फरवरी 2025 तक इक्कीस हिंदुओं की हत्या हुई और एक सौ बावन मंदिरों पर हमले किए गए। पिछले दो महीनों में ही 76 घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें लूटपाट, घरों पर आगजनी और महिलाओं पर अत्याचार शामिल हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया कि 281 हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ और एक सौ तिरासी हिंदुओं की हत्या कर दी गई। हाल ही में दीपू दास नामक हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूठे आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला, जबकि वहां की पुलिस कह रही है कि उसके पास दीपू दास के खिलाफ ईशनिंदा का कोई सबूत नहीं है, जिससे भारत में जन आक्रोश फैल गया। इन घटनाओं ने साबित कर दिया कि वहां कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं।

जहां तक भारत सरकार क्या कदम उठा सकती है, इसकी बात की जाए तो हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार सबसे पहले बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बना सकती है। उच्च स्तरीय वार्ताओं के ज़रिए बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा के ठोस कदम उठाने की मांग की जा सकती है, जैसा कि विदेश सचिव की यात्रा में किया गया। दूसरे विकल्प के रूप में संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना संभव है, जहां बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बन सके। तीसरा, मानवीय सहायता कार्यक्रम शुरू करके हिंदुओं को भोजन, चिकित्सा और शरण प्रदान की जा सकती है। चौथा, बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों पर नजर रखी जा सकती है और उनके भारत-विरोधी एजेंडे को रोकने के लिए दबाव बनाया जा सकता है। पांचवां विकल्प आर्थिक निर्भरता का इस्तेमाल है, क्योंकि बांग्लादेश भारत से ईंधन, बिजली, कपास, दवाइयां और खाद्यान्न मंगाता है। इनकी आपूर्ति पर शर्तें लगाकर या अस्थायी रोक लगाकर दबाव बनाया जा सकता है, बिना आम जनता को ज़्यादा नुकसान पहुंचाए। छठा, सीमा पर सुरक्षा बढ़ाकर हिंदू शरणार्थियों को सुरक्षित प्रवेश देकर उनकी सहायता की जा सकती है। ये सभी कदम क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखते हुए प्रभावी साबित हो सकते हैं।

वैसे मोदी सरकार पहले ही बांग्लादेश के साथ अपनी चिंताएं साझा कर चुकी है और उच्चायोग वहां स्थिति पर नज़र रख रहा है। दिसंबर 2024 में बांग्लादेश ने कहा कि 1282 घटनाओं की जांच में 70 लोगों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन ये कदम अपर्याप्त हैं, क्योंकि हिंसा थम नहीं रही। भारत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के ज़रिए दोनों देशों के हिंदू-मुस्लिम समुदायों में भाईचारा बढ़ा सकता है। साथ ही, व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की शर्त पर अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांध सकता है। अगर जरूरत पड़ी तो सैन्य सहायता या संयुक्त अभियान की तैयारी भी रखी जा सकती है, हालांकि फिलहाल कूटनीति को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि बांग्लादेश की आम जनता पर बोझ न पड़े। ये विकल्प भारत की मानवीय प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पूरे घटनाक्रम में अंतरराष्ट्रीय मीडिया और बड़े देशों की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल है। संयुक्त राष्ट्र ने हिंसा पर चिंता जताई और महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने नस्लीय हमलों की निंदा की, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पश्चिमी देश जैसे अमेरिका और ब्रिटेन ने कुछ बयान दिए, लेकिन वे कमजोर रहे। अमेरिकी सांसदों ने दीपू दास हत्याकांड की निंदा की, पर व्यापक विरोध नहीं हुआ। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी और ह्यूमन राइट्स वॉच चुप हैं, जबकि अन्य संकटों पर वे मुखर रहते हैं। इसका कारण धार्मिक पूर्वाग्रह माना जा रहा है, क्योंकि हिंदू पीड़ित होने पर वैश्विक सहानुभूति कम मिलती है। उधर, पश्चिमी मीडिया ने हिंसा को कमतर आंका या फर्जी खबरों का हवाला देकर टाला। बीबीसी जैसे चैनलों ने सोशल मीडिया पोस्ट को झूठा बताया, जबकि घटनाएं सिद्ध हैं। अमेरिका की चुप्पी शेख हसीना विरोध से जुड़ी है, जिन्हें उन्होंने तानाशाह कहा था। यूरोपीय देशों ने भी हसीना की धर्मनिरपेक्ष छवि को नकार दिया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी पुरानी सरकार पर उंगली उठाई गई, वर्तमान हिंसा पर कम ज़ोर। यह दोहरा मापदंड हिंदुओं के खिलाफ वैश्विक उपेक्षा को दर्शाता है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के चलते हिंदू आबादी घट रही है और कट्टर ताकतें मजबूत हो रही हैं। ऐसे में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कूटनीति से आगे बढ़कर आर्थिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाना ज़रूरी है। दुनिया के अन्य देश विरोध में मुखर नहीं हो रहे क्योंकि उनके हित मुस्लिम बहुल देशों से जुड़े हैं। लेकिन भारत की मजबूत नीति से स्थिति सुधर सकती है। हिंदू समुदाय की सुरक्षा न केवल पड़ोसी का कर्तव्य है, बल्कि सभ्यता का प्रश्न है। सरकार के विकल्पों का सही इस्तेमाल ही बांग्लादेश में शांति ला सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका व यूक्रेन में प्रमुख मुद्दों पर सहमति, लेकिन क्षेत्रीय विवादों का समाधान नहीं हुआ : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका और यूक्रेन लगभग चार साल से जारी संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर सहमति पर पहुंच गए हैं। जेलेंस्की ने साथ ही कहा कि यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक केंद्र में क्षेत्रीय नियंत्रण से जुड़े संवेदनशील मुद्दों और जापोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्रबंधन से संबंधित मुद्दों का अभी भी समाधान नहीं हो सका है।

हाल में फ्लोरिडा में हुई लंबी बातचीत के बाद अमेरिका द्वारा रूसी वार्ताकारों के लिए तैयार की गई 20 सूत्री योजना को प्रदर्शित करने के दौरान जेलेंस्की ने यह बात कही। जेलेंस्की ने कहा कि बुधवार को रूस से जवाब आने की उम्मीद है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने मंगलवार को पत्रकारों को योजना के प्रत्येक बिंदु के बारे में जानकारी दी। उनके बयान बुधवार सुबह तक गोपनीय रखे गए थे। इन वार्ताओं के केंद्र में डोनेटस्क और लुहांस्क क्षेत्रों से संबंधित विवादास्पद क्षेत्रीय विवाद है। जेलेंस्की ने कहा, यह सबसे मुश्किल मुद्दा है। उन्होंने कहा कि इन मामलों पर नेताओं के स्तर पर चर्चा की जाएगी।रूस के कब्जे में स्थित यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिजिया के प्रबंधन का तरीका भी एक विवादास्पद मुद्दा है। अमेरिका यूक्रेन और रूस के साथ एक संघ बनाने का प्रस्ताव कर रहा है, जिसमें प्रत्येक पक्ष की परियोजना में बराबर हिस्सेदारी होगी। जेलेंस्की ने जापोरिजिया में स्थित बिजली संयंत्र का जिक्र करते हुए कहा, डोनेटस्क क्षेत्र के भूभाग और जेडएनपीपी के मुद्दे पर अमेरिकी पक्ष के साथ हमारी कोई सहमति नहीं बन पाई। उन्होंने कहा, लेकिन हमने ज्यादातर पक्षों के बीच काफी हद तक एकरूपता स्थापित कर ली है। सैद्धांतिक रूप से इस समझौते में उल्लेखित अन्य सभी बातों पर सहमति बन गई है।

उन्होंने कहा, क्योंकि रूसियों पर भरोसा नहीं है, और उन्होंने बार-बार अपने वादे तोड़े हैं, इसलिए आज की संपर्क रेखा एक तरह से वास्तविक मुक्त आर्थिक क्षेत्र में बदल रही है और अंतरराष्ट्रीय बलों को वहां मौजूद रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी किसी भी वेश में वहां प्रवेश न कर सके। जेलेंस्की ने कहा कि संयंत्र को फिर से चालू करने के लिए अरबों डॉलर के निवेश की आवश्यकता है, जिसमें निकटवर्ती बांध की मरम्मत भी शामिल है।

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की स्क्रीनिंग के दौरान फोटो खिंचवाते हुए।

चीन संभवतः एलएसी पर तनाव कम होने का लाभ उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है : अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। चीन संभवतः भारत के साथ एलएसी पर तनाव कम होने का लाभ उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है तथा अमेरिका-भारत संबंधों को और अधिक मजबूत होने से रोकना चाहता है। अमेरिकी युद्ध विभाग की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है।

अमेरिकी युद्ध विभाग ने मंगलवार को कांग्रेस (अमेरिकी संसद) को ' चीनी गणराज्य 2025 से संबंधित सैन्य और सुरक्षा घटनाक्रम' पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि अक्टूबर 2024 में भारतीय नेतृत्व ने चीन के साथ एक समझौते की घोषणा की।

यह समझौता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बैठक से दो दिन पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध के शेष स्थलों से सेना को पीछे हटने के लिए था। इसमें कहा गया है कि शी-मोदी की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच मासिक उच्च स्तरीय बैठकों की शुरुआत हुई, जहां दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय संबंधों के लिए अगले कदमों पर चर्चा की, जिसमें सीधी उड़ानें, वीजा सुविधा और शिक्षाविदों और पत्रकारों के आदान-प्रदान से जुड़े कार्यक्रम शामिल है।

रिपोर्ट कहती है, चीन संभवतः एलएसी पर तनाव कम होने का लाभ उठाकर द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करना चाहता है और अमेरिका-भारत संबंधों को और गहरा होने से रोकना चाहता है। हालांकि, भारत संभवतः चीन की कार्रवाइयों और इरादों को लेकर संशय में है। आपसी अविश्वास और अन्य अनसुलझे मुद्दे निश्चित रूप से द्विपक्षीय संबंधों को सीमित करते हैं। इसमें कहा गया है कि चीन की राष्ट्रीय रणनीति 2049 तक 'चीनी राष्ट्र के बड़े पुनरुत्थान' को हासिल करने की है। इस दृष्टि में, चीन ने अपनी 'प्रभाव-क्षमता, आकर्षण और घटनाओं को आकार देने की ताकत' को एक नए स्तर तक पहुंचा लिया होगा, और उसके पास एक 'विश्व-स्तरीय' सेना होगी, जो 'लड़ने और जीतने' में सक्षम होगी तथा देश की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की 'दृढ़ता से रक्षा' करेगी।

चीन तीन 'मुख्य हितों' का दावा करता है, जिन्हें ऐसे मुद्दे बताया गया है जो चीन के राष्ट्रीय पुनरुत्थान के केंद्र में हैं और उन पर उसका आधिकारिक रुख किसी भी तरह की बातचीत या समझौते के लिए खुला नहीं है।

प्रदर्शन

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन के सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ कोलकाता में बुधवार को प्रदर्शन किया।

पुतिन के भारत दौरे के बाद इंदौर में पीतल के पन्नों पर उकेरा गया रूस का संविधान

इंदौर /भाषा। भारत और रूस की मजबूत दोस्ती के प्रति अनूठे तरीके से सम्मान जताने के लिए इंदौर में पीतल के पन्नों पर रूस का संविधान उकेरा गया है। इस पहल को स्थानीय निवासी लोकेश मंगल ने अंजाम दिया है जो पीतल के पन्नों पर पुस्तकें छपवाने के लिए मशहूर हैं।मंगल ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भारत और रूस पुराने मित्र हैं। मैंने दोनों देशों की मजबूत दोस्ती के सम्मान में रूस के संविधान को पीतल पर उकेरने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि रूसी संविधान के अंग्रेजी संस्करण के नौ अध्यायों और 137 अनुच्छेदों को पीतल के 56 पन्नों पर उकेरा गया है और इस काम में आधा किलोग्राम पीतल लगा है।

मंगल ने बताया कि पीतल के पन्नों की इस किताब को कारीगरों ने आठ घंटे में मशीनों की मदद से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि वह रामायण, गीता और महाभारत जैसे ग्रंथों को भी पीतल के पन्नों पर छपवा चुके हैं।मंगल ने कहा, हिंदुओं की धार्मिक मान्यताओं में पीतल को शुभ माना जाता है। इसलिए मैं पीतल के पन्नों पर ग्रंथ तैयार कराता हूं।रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस महीने की शुरुआत में भारत का दो दिवसीय दौरा किया था।

'मिर्जापुरः द फिल्म' की राजस्थान में शूटिंग शुरू, अली फजल ने साझा किया वीडियो

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय आपराधिक श्रृंखला 'मिर्जापुर' के विख्यात किरदारों को बड़े पर्दे पर संजोने वाली फिल्म 'मिर्जापुर: द फिल्म' को फिलहाल राजस्थान में फिल्माया जा रहा है। मिर्जापुर में गुड्डू भैया का किरदार निभाने वाले अभिनेता अली फजल ने शूटिंग का एक वीडियो साझा कर प्रशंसकों को इसकी जानकारी दी। फजल ने जैसलमेर और जोधपुर के लोगों को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद भी दिया।

अली फजल ने श्रृंखला के कुछ सबसे लोकप्रिय किरदारों की वापसी का जिक्र करते हुए कहा, मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग अभी राजस्थान में जारी है। असीम स्नेह और अतुलनीय आतिथ्य के लिए जैसलमेर और जोधपुर का तहे दिल से धन्यवाद। आपने हमें अपना समझा... उन सभी होटलों का शुक्रिया जिन्होंने हमें अपने घर से दूर होते हुए भी घर जैसा महसूस कराया। खम्माघणी! आपको सभी से मिलना होगा, पूरा पलटन खेल में मस्त है।

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज व एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और पुनीत कृष्णा द्वारा निर्मित यह फिल्म सबसे सफल ओटीटी श्रृंखलाओं में से एक 'मिर्जापुर' पर आधारित है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' अगले साल प्रदर्शित होगी। प्रशंसक मुन्ना भैया (दिव्येंदु) को बड़े पर्दे पर देखने को लेकर उत्सुक हैं। गुरमीत सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म के साथ पंकज त्रिपाठी की कालीन भैया, फजल अली की गुड्डू पंडित, दिव्येंदु की मुन्ना त्रिपाठी के किरदार में वापसी होगी।

फिल्म 2026 में देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी और इसके बाद ओटीटी मंच प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। मिर्जापुर सीरीज का पहला भाग 2018 में प्रसारित हुआ था, इसके बाद दूसरा भाग 2020 में और तीसरा भाग 2024 में प्रसारित हुआ।

'बहुत दर्द होता था, शरीर टूटा हुआ लगता था', कैंसर इलाज के सफर को याद कर भावुक हुईं हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'बिग बॉस 11' जैसे लोकप्रिय टीवी शोज से घर-घर में पहचानी जाने वाली हिना खान ने हमेशा अपने काम और अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस बीच उन्होंने अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में जिंदगी की चुनौती और संघर्ष भरे पलों के बारे में खुलकर बात की। ये पल उनके कैंसर के इलाज से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुश्किल समय में सकारात्मक होना और जीवन के छोटे-छोटे पलों का आनंद लेना कितना जरूरी होता है। हिना खान ने कहा, कीमोथेरेपी के दौरान अच्छे और बुरे दोनों दिन आए। इलाज के हर सेशन में जिंदगी का अनुभव अलग था। मैं हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी लेती थी। पहले हफ्ते में मुझे बहुत दर्द होता था और शरीर टूटा हुआ सा महसूस होता था। नर्व्स में तेज दर्द होता था, और यह उनके लिए सबसे कठिन था। उन्होंने कहा, ''इसके बाद आने वाले दो हफ्ते मेरे लिए राहत और जीवन का आनंद लेने का समय होता था। इस दौरान मैं ट्रैवल करती, अपने दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताती, और पूरी तरह से जिंदगी जीने की कोशिश करती।''

जब सोहा ने उनसे उनके कैंसर अनुभव के बारे में पूछा, तो हिना ने बताया कि वह समय बेहद चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा, हर मरीज को कीमोथेरेपी के बीच कुछ हफ्तों का समय दिया जाता है ताकि शरीर को आराम और सुधार का मौका मिल सके। यह समय एक से तीन हफ्ते तक हो सकता है, जो मरीज की स्थिति और डॉक्टर की सलाह पर निर्भर करता है।हिना ने कहा, ''मेरे मामले में हर तीन हफ्ते में कीमोथेरेपी होती थी, और पहले हफ्ते में दर्द भयानक होता था। मैं इस कठिन समय में खुद को मजबूत बनाए रखने की कोशिश करती थी।''

हिना ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, ''जीवन में दृष्टिकोण बहुत मायने रखता है। जब जीवन के किसी हिस्से में कठिनाई आती है, तो बाकी समय का भरपूर उपयोग करना चाहिए। लोग अक्सर बीमारी या किसी बड़ी चुनौती का सामना करते ही सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी खत्म हो गई, लेकिन यह सही नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने महसूस किया कि मुश्किल समय के बीच भी जीवन में अच्छे दिन होते हैं। जब आप अपने प्रियजनों के साथ रहते हैं और प्यार महसूस करते हैं, तो खुशी अपनेआप मिलने लगती है। मुश्किल समय में धैर्य, उम्मीद और सकारात्मक सोच ही हमें आगे बढ़ाती है।''

आम्रपाली दुबे ने हिजाब विवाद पर दिया बयान, कहा- 'अगर भावनाओं को ठेस पहुंची है तो होनी चाहिए कार्रवाई'

मुंबई/एजेन्सी

बिहार में 'हिजाब विवाद' गर्माया हुआ है। यह मामला तब सामने आया, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 दिसंबर को आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के कार्यक्रम में एक महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब हटाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और विवाद ने तूल पकड़ लिया। विपक्षी पार्टियों ने मुख्यमंत्री के व्यवहार की निंदा की और माफी की मांग की। वहीं, एनडीए के कुछ नेता इस घटना का बचाव करते नजर आए। इस बीच विवाद पर भोजपुरी फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने भी अपनी राय जाहिर की। आम्रपाली दुबे ने कहा, ''मेरा मानना है कि कपड़े हर व्यक्ति की अपनी पसंद का हिस्सा हैं। लेकिन अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है।'' आम्रपाली दुबे के पहले हिजाब विवाद पर दिग्गज लेखक और कवि जावेद अख्तर ने भी इस घटना की कड़ी आलोचना की और कहा कि मुख्यमंत्री को महिला से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। ''जो भी मुझे थोड़ा बहुत भी जानता है, वह जानता है कि मैं पर्दा की पारंपरिक अवधारणा के कितना खिलाफ हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं किसी भी तरह से यह स्वीकार कर लूं कि नीतीश कुमार ने एक मुस्लिम महिला डॉक्टर के साथ जो किया, वो सही किया है।

'केसरी चैप्टर 2' में अनन्या पांडे की एक्टिंग के कायल हुए अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में किसी भी अभिनेता या अभिनेत्री के लिए किसी दिग्गज कलाकार की सराहना मिलना सपने जैसा होता है। इससे उन्हें आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। मंगलवार को अभिनेत्री अनन्या पांडे ने अपने जीवन के ऐसे ही यादगार पलों के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के मंच का है, इसमें शो के होस्ट और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन उनकी तारीफ करते दिख रहे हैं। वीडियो में अमिताभ बच्चन ने अनन्या की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' में उनकी एक्टिंग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''फिल्म में कई बड़े और मशहूर कलाकार थे, जिन्होंने बेहतरीन काम किया, लेकिन उन सब के बीच अनन्या ने अपने किरदार को बहुत ही शानदार तरीके से निभाया। उनके डायलॉग सीमित थे, लेकिन उन्होंने अपनी आंखों और भाव के जरिए अपने किरदार को जीवंत बना दिया।'' अमिताभ बच्चन ने कहा, ''किसी भी सीन का असली महत्व तब आता है जब दर्शक उसे महसूस कर सकें। अभिनय सिर्फ डायलॉग बोलने तक सीमित नहीं होता। शूटिंग के समय, एक अभिनेता को पूरी तरह सीन में डूब जाना चाहिए, ताकि वह परिस्थितियों और भावनाओं को वास्तविक रूप में दर्शकों तक पहुंचा सके।'' अमिताभ के अनुसार, ''यह बहुत बड़ी चुनौती होती है और इसी तरह के अभिनय से ही कोई कलाकार 'लीजेंडरी' बनता है। फिल्म में अनन्या की एक्टिंग से साफ था कि उन्होंने इस चुनौती को अच्छे तरीके से निभाया।''

अनन्या ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, यह मेरे करियर का सबसे बड़ा पल है। मुझे अमिताभ बच्चन के शब्द हमेशा याद रहेंगे। मेरे लिए यह अनुभव किसी पुरस्कार या फिल्म की सफलता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस एपिसोड में अनन्या पांडे ने बिग बी को जेन-जी द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों को भी सिखाया। अनन्या 'ओओटीडी', 'ड्रिप' और 'नो कैप' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें सुनकर अमिताभ बच्चन थोड़े हैरान और उत्सुक दिखाई देते हैं। जब अनन्या उन्हें 'ड्रिप' कहती हैं, तो अमिताभ बच्चन मजाक में कहते हैं कि उनके लिए ड्रिप का मतलब छत से टपकता पानी होता है। इस जवाब पर पूरा स्टूडियो हंसी से गूंज उठता है। अनन्या फिर इन शब्दों को समझाती हैं कि 'ड्रिप' का मतलब स्टाइलिश और कूल होना होता है। वहीं, 'नो कैप' का अर्थ बिल्कुल सच है। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

सोनम बाजवा ने बताई 'बॉर्डर 2' में शामिल होने की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में जब भी देशभक्ति और युद्ध पर बनी फिल्मों की बात होती है, तो 1997 में आई जेपी. दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर' का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं थी, बल्कि उस दौर के लाखों लोगों की भावनाओं से जुड़ी हुई थी। आज भी यह फिल्म टीवी पर आते ही लोगों को स्क्रीन से बांध लेती है। अब जब इस फिल्म का सीक्वल यानी 'बॉर्डर 2' आ रहा है, तो दर्शकों की उम्मीदें पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई हैं। इसी फिल्म से जुड़ने को लेकर अभिनेत्री सोनम बाजवा ने आईएएनएस से खास बात की और अपनी खुशी साझा की सोनम बाजवा 'बॉर्डर 2' में अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आने वाली हैं। आईएएनएस से बात करते हुए सोनम बाजवा ने बताया कि उनके लिए यह फिल्म सिर्फ एक नया प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि बचपन की यादों से जुड़ा एक खास अनुभव है। 'बॉर्डर' उनके दिल के बेहद करीब रही है और उसी फिल्म के सीक्वल का हिस्सा बनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

सोनम ने कहा, ''मैंने बचपन में 'बॉर्डर' फिल्म न जाने कितनी बार टीवी पर देखी होगी। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं है, बल्कि देशभक्ति, भावनाओं और बलिदान की सीख देने वाली कहानी है। इस फिल्म से मेरी कई प्यारी यादें जुड़ी हुई हैं और इसलिए 'बॉर्डर 2' का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व और खुशी का पल है।'' उन्होंने इंटरव्यू में आगे बताया कि उन्हें 'बॉर्डर 2' में काम करने का मौका कैसे मिला। सोनम ने कहा, फिल्म के निर्देशक अनुराग सिंह ने खुद मुझसे संपर्क किया था। इससे पहले मैंने अनुराग सिंह के साथ 2017 में आई पंजाबी फिल्म 'सुपर सिंह' में काम किया था। हमारे बीच पहले से ही अच्छा प्रोफेशनल रिश्ता रहा है, जिसकी वजह से यह सहयोग और भी सहज हो गया। इस बातचीत में सोनम ने एक और दिलचस्प बात साझा की।

उन्होंने बताया कि 'सुपर सिंह' और 'बॉर्डर 2' दोनों फिल्मों में एक समान चीज है, और वह है दिलजीत दोसांझ।सोनम ने कहा, अनुराग सिंह और दिलजीत के साथ काम करना हमेशा खास रहा है। पंजाब से जुड़ी इन फिल्मों ने हमारे आपसी रिश्ते को और मजबूत किया है, और यही वजह है कि मैं इस टीम के साथ फिर से काम करने को लेकर काफी उत्साहित थी।

फिल्म में अपने किरदार को लेकर सोनम ने बताया, ''मैं मंजीत नाम की एक पंजाबी लड़की की भूमिका निभा रही हूं। मेरा किरदार अंबाला से ताल्लुक रखता है और मेरी शादी दिलजीत दोसांझ के निभाए गए किरदार फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह से होती है। यह किरदार भावनात्मक रूप से काफी गहरा है और कहानी में इसकी अहम भूमिका है।''अभिनेत्री ने कहा, ''निर्देशक अनुराग सिंह ने मुझसे कहा था कि मंजीत के किरदार के लिए सबसे पहले उन्हें मेरा ही नाम दिमाग में आया था।

यह बात मेरे लिए सच में बहुत मायने रखती है। जैसे ही मुझे पता चला कि 'बॉर्डर 2' पर काम शुरू होने वाला है, उसी पल से यह फिल्म मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट बन गई थी। ऐसे ऐतिहासिक और भावनात्मक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हर कलाकार के लिए खास होता है।'' 'बॉर्डर 2' फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

‘गुरु पुनवानी ग्रुप’ बना भगवान महावीर जन्म कल्याणक वर्धमान प्रसादी का लाभार्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन द्वारा आगामी 31 मार्च को आने वाले भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्मकल्याणक की तैयारियों के अंतर्गत आयोजित होने वाले जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए इस वर्ष वर्धमान प्रसादी के लाभार्थी के रूप में गुरु पुनवानी ग्रुप ऑफ कम्पनी के हनुमानमल संजय बैद एवं शांतिलाल विकास बोहरा द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की गई। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने गुरु पुनवानी ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु पुनवानी ग्रुप की ओर से संजय बैद ने संगठन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार के लिए यह अत्यंत सौभाग्य एवं सम्मान का विषय है कि उन्हें वर्धमान प्रसादी का लाभार्थी बनने का अवसर प्राप्त हुआ। संगठन के उपाध्यक्ष रितेश पामेचा ने संगठन के इतिहास की जानकारी तो मंत्री सुश्रुत चेलावत ने संगठन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सहमंत्री दीपेश धोका, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, ट्रस्टी सज्जनराज मेहता आदि ने विचार व्यक्त किए।

निवर्तमान अध्यक्ष महावीर मुणोत, कार्यकारिणी सदस्य आतिश धोका, अभिषेक खाब्या, अभिषेक बोहरा, कपिल काल्या, भोजन कुकिंग समिति के चेयरमैन जीतेश वया, ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी, रूपचन्द कुमट, दिनेश खिवेंसरा आदि उपस्थित थे।

आदर्श स्कूल ने उत्साह से मनाया ‘आदर्श क्रीड़ोत्सव’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदर्श विद्या संघ द्वारा संचालित आदर्श स्कूल द्वारा ‘आदर्श क्रीड़ोत्सव 2025’ वार्षिक खेलकूद एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कित्तूर रानी चेन्नम्मा स्टेडियम, जयनगर में किया। इस वर्ष के आदर्श क्रीड़ोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैराक विहिथा नयना को आमंत्रित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संघ के उपाध्यक्ष सीए संजय धारीवाल ने की। इस अवसर पर संघ के भूतपूर्व अध्यक्ष हस्तीमल सिसोदिया, संयुक्त सचिव अरविंद दोशी, संयोजक अशोक भंसाली भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत मार्च–पास्ट और स्वागत गीत से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का परिचय कराया गया। प्रधानाचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने अपने संबोधन में खेलभावना, अनुशासन और टीमवर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। समारोह में प्रत्येक कक्षा के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के साथ–साथ वर्ष भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 1 से उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आदर्श आचरण के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। एथलेटिक प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, रिले रेस, बोरी दौड़, लेमन–स्पून रेस, सिंगल लेग रेस, बैक रेस, बैलून बर्स्ट रेस और अन्य रेस आयोजित की गईं।

फील्ड इवेंट्स में शॉट पुट, डिस्कस थ्रो और लॉन्ग जंप जैसी स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने बेहतरीन कौशल और शक्ति का प्रदर्शन किया। इंडोर खेलों में शतरंज, कैरम (सिंगल व डबल्स), टेबल टेनिस तथा डबल कैरम जैसी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। मुख्य अतिथि विहिथा नयना ने अपने प्रेरक उद्बोधन में मेहनत, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे खेल और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाए रखते हुए अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते रहें। अंत में अलका जैन एवं त्रिवेणी ने धन्यवाद दिया।

मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ कर्नाटक का स्नेहमिलन संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ कर्नाटक का वार्षिक स्नेह मिलन एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष विजयराज पितलिया ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए मंत्री सुनील नंदावत ने कहा कि संगठित समाज ही प्रगति की कुंजी है। हमें धर्म, सेवा और संस्कार के पथ पर एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्रम में अनेक प्रायोजकों का संघ की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर संघ की वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। स्नेहमिलन समारोह में क्रिकेट मैच, टैटू मेकिंग, नेल पॉलिश आर्ट सहित महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों के लिए विभिन्न खेल एवं मनोरंजन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह में उपाध्यक्ष वीरेंद्र पामेचा, सहमंत्री द्वय प्रेमप्रकाश नलवाया, महावीर पिछोलिया, कोषाध्यक्ष कोमल गांधी, युवा संघ अध्यक्ष कुशल मेहता, मंत्री विरल पितलिया, कोषाध्यक्ष नवीन मेहता, संगठन मंत्री विपुल धींग आदि अनेक आसपास के शहरों से सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिष्टाचार भेंट

बीएमटीसी के नवनियुक्त चेयरमैन वीएस आराध्या से बुधवार को जैन एसोसिएशन इंटरनेशनल के चेयरमैन उत्तमचंद मुथा व गौतमचंद लूनिया ने शिष्टाचार भेंट की। अनेक विषयों पर चर्चा हुई साथ ही आराध्या के पदभार ग्रहण करने पर उनका सम्मान किया।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भगवान महावीर कामधेनु प्राणी हॉस्पिटल, बुद्धियाल नेलमंगला बेंगलूरु में ललित कानूंगा की अध्यक्षता में बनने जा रहे पशु अस्तपाल की योजना व जानकारी को लेकर अस्पताल के पदाधिकारियों ने धर्मस्थला के धर्माधिकारी व राज्यसभा सदस्य वीरेन्द्र हेगड़े से मुलाकात की तथा उन्हें अस्पताल की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने धर्माधिकारी हेगड़े को अस्पताल के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया। अस्पताल के उपाध्यक्ष रूपचंद कुमट, मंत्री दिनेश ख़िवेंसरा, सदस्य महेंद्र बागरेचा, दिनेश तातेड़ तथा कामधेनु गौशाला की प्रचार प्रसार मंत्री मोनिका कुमट, सीमा खिवेंसरा, चित्रा बागरेचा, शालू तातेड़ ने मंजूनाथ स्वामी के दर्शन किए।

जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया का स्नेह मिलन 4 जनवरी को

मैसूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जैन ओसवाल साजनान संघ मदारिया का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह 4 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए संघ द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। स्नेह मिलन समारोह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का भी आयोजन होगा। संघ के करीब 600 परिवार इस आयोजन में शामिल होंगे। मैसूरु रेस कोर्स के पीछे दी ग्रीन एकर्स में होने वाले आयोजन में मुख्य अतिथि राजस्थान के सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री लादूलाल पितलिया होंगे। विशेष आकर्षण भीलवाड़ा से आने वाले कवि दीपक पारीक होंगे। समारोह में तपस्वियों, वीर माता पिता व संघ के परिवारों की बुर्जुग महिलाओं का भी सम्मान किया जाएगा।

भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक-आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के इन्दिरानगर में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाश्री ने कहा कि मंदिर और मूर्तिमंत भगवान श्रद्धा, भक्ति, आत्मविश्वास और उपासना के श्रेष्ठ माध्यम हैं। मूर्ति के रूप में भगवान की पूजा मनुष्य के धार्मिक–आध्यात्मिक विकास का प्रथम सोपान है। जैसे माता–पिता से जीवन की शुरुआत होती है, वैसे ही मूर्तिमंत भगवान के दर्शन–पूजन से हर सामान्य जीवन का धार्मिक–आध्यात्मिक विकास प्रारंभ होता है। मूर्तिपूजा का इतिहास बहुत प्राचीन एवं प्रेरणादायी है।

साध्वीश्री ने कहा कि साक्षात जीवंत परमात्मा को पाकर जितनी आत्माएं भव से पार उतरती हैं, उनसे अनेक गुणा अधिक आत्माएं मूर्तिमंत भगवान की साधना–आराधना करते हुए संसार से पार उतर जाती हैं। इस अर्थ में मूर्तियां और उनके पूजन–अनुष्ठान किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। किसी धार्मिक प्रतीक के बिना कोई धर्म या मान्यता गति नहीं कर सकती। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक एवम महापूजन का लाभ शांतिलाल कस्तुरी बाई कांकरिया ने लिया। अशोककुमार अनिलकुमार कांकरिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

कबीर का दर्शन ले रहा है नया आकार; रॉक, जैज के साथ गूंज रही कबीर की वाणी

वाराणसी/भाषा। संत कबीर के दोहों, साखियों और भजनों को लंबे समय तक शास्त्रीय संगीत के साथ गाया जाता रहा है लेकिन अब नए पीढ़ी के गायक और संगीतकार कबीर के गीतों, भजनों के साथ नए प्रयोग कर रहे हैं और उन्हें रॉक, जैज जैसे पश्चिमी संगीत के साथ पेश कर रहे हैं। अमेरिका के लास एंजिलिस में पैदा हुए और पले बढ़े आदित्य प्रकाश कर्नाटक संगीत के साथ जैज, रॉक संगीत और लोक गायिकी के साथ ही शास्त्रीय संगीत के संयोजन से कबीर के भजनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया कलेवर दे रहे हैं।

पिछले दिनों वाराणसी के घाटों पर आयोजित ‘महेंद्रा कबीरा फेस्टिवल’ के दौरान आदित्य ने अपनी गहरी और भारतीय शास्त्रीय रागों में पगी आवाज में कबीर का भजन ‘मोको कहां ढूंढे रे बंदे....’, ‘मीरा के प्रभु गिरधर नागर’, ‘नैनों की मत मानियो रे, नैनों की मत सुनियो’ गाए ।आदित्य प्रकाश ने भाषा के साथ बातचीत में कहा, कबीर का काव्य समय की सीमाओं से परे है। कबीर वास्तव में उन लोगों पर सवाल उठाते हैं जो हमें सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। कबीर एक ताकत है , समाज में चेतना पैदा करने वाली ताकत। उनके साथ सेलो (वायलिन जैसा लेकिन बड़ा वाद्य यंत्र) पर क्रिस वोटेक जो. और नवतार (सितार एवं गिटार जैसा वाद्ययंत्र) पर विष्णु आर ने संगत की। इस नए वाद्य यंत्र नवतार को स्वयं विष्णु आर ने डिजाइन किया है और इसका पेटेंट भी उनके पास है। क्रिस वोटेक कुछ ऐसे चुनिंदा सेलो वादकों में से एक हैं जो भारतीय शास्त्रीय संगीत की गायकी अंग शैली में बजाते है जिससे वह सेलो वाद्य यंत्र पर भारतीय गीतों को आसानी से बजा पाते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत के छात्र क्रिस उस्ताद जाकिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ प्रस्तुति दे चुके हैं।

फ्यूजन संगीत में कबीर के काव्य को ढालने संबंधी सवाल के जवाब में आदित्य प्रकाश का कहना था कि कबीर हमेशा समसामयिक रहे हैं। आप किसी भी समय में, किसी भी तरह से और किसी भी रूप में उन्हें परिभाषित कर सकते हैं। वे किसी एक समय से, किसी एक जाति, एक व्यक्ति या एक संस्कृति से बंधे हुए नहीं हैं । विश्व में कोई भी उनके काव्य और दर्शन से अपना संबंध स्थापित कर सकता है। महान संगीतज्ञ पंडित वसंतराव देशपांडे के पौत्र और प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय गायक, संगीतकार राहुल देशपांडे ने बेजोड़ आवाज और गमक के उतार चढ़ाव के साथ गाया ‘उड़ जाएगा हंस अकेला, जग दर्शन का मेला....।’

उत्सव की शुरुआत 2014 में स्थापित उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र के समूह रहमत ए नुसरत कबीर के दोहों के गायन से हुई। गायक सर्वजीत टम्टा की अगुवाई में उनका समूह इन्हें कव्वाली की शैली में गा रहा है। वडाली बंधुओं और पद्मश्री अनवर खान मांगनियार जैसे दिग्गज संगीतज्ञों से दीक्षा प्राप्त करने वाले सर्वजीत और उनका समूह मुख्य रूप से नुसरत फतेह अली खान की कव्वालियों को गाता है लेकिन इसके साथ ही वह सूफ़ियाना क़लाम, ग़ज़लें और कबीर के भजनों को भी सुर देता है।

स्तन कैंसर का जोखिम बढ़ाता है मांसाहार का सेवन : अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय आयुर्विज्ञान अध्ययन परिषद (आईसीएमआर) के नए अध्ययन में मांसाहार के सेवन, नींद की कमी और मोटापे का स्तन कैंसर के जोखिम के साथ सीधा संबंध पाया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि स्तन कैंसर के मामले हर साल 5.6 प्रतिशत की दर से बढ़ सकते हैं, जिससे नए मरीजों की संख्या में प्रतिवर्ष औसतन 50 हजार की वृद्धि हो सकती है।

आईसीएमआर के बेंगलूरु स्थित राष्ट्रीय रोग सूचना और अध्ययन केंद्र के अध्ययन में कहा गया कि है प्रजनन अवधि, हार्मोन का स्तर और पारिवारिक इतिहास भी भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर का जोखिम निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाता है।

साल 2022 में दुनिया भर में अनुमानित 23 लाख महिलाएं स्तन कैंसर से पीड़ित पाई गईं, जिनमें से लगभग 6,70,000 की मौत हो गई। भारत में स्तन कैंसर महिलाओं को प्रभावित करने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है। 2022 में देश में अनुमानित 2,21,757 मामले सामने आए थे। इस हिसाब से महिलाओं में होने वाले कैंसर में से लगभग 22.8 प्रतिशत मामले स्तन कैंसर के थे। यह अध्ययन भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम कारकों का मूल्यांकन करने के लिए 22 दिसंबर 2024 तक प्रकाशित हुए भारतीय अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

प्रजनन और हार्मोन संबंधी कारकों का भी अध्ययन किया गया, जिसमें विवाह की उम्र, गर्भावस्था, गर्भपात का इतिहास, पहले और आखिरी बच्चे के जन्म के दौरान उम्र, स्तनपान, गर्भनिरोधक गोलियों का इस्तेमाल, प्रसव की संख्या तथा बच्चों की संख्या का विश्लेषण शामिल है।

अध्ययन में कहा गया है कि जीवनशैली से जुड़े कारक स्तन कैंसर का जोखिम निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जीतो साउथ और जीतो बिजनेस नेटवर्क ने आयोजित किया ‘बिजनेस बियॉन्ड बाउंडरीज़’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ और जीतो बिजनेस नेटवर्क (जेबीएन) ने ‘बी3–बिजनेस बियॉन्ड बाउंडरीज़–विजिटर्स डे’ का आयोजन मंगलवार को किया जिसमें 70 से अधिक प्रतिभागी व 40 अतिथि उद्यमी उपस्थित थे। जीतो साउथ के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने व्यवसाय बनाने (उद्यमी की भूमिका) और इसे प्रबंधित करने (प्रबंधक की जिम्मेदारी) के बीच अंतर को रेखांकित किया।

मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने व्यवसाय की सफलता के लिए नेटवर्किंग के महत्व पर जोर दिया। केकेजी ज़ोन जेबीएन के संयोजक तुषार बाफना ने जेबीएन के उद्देश्य, मूल्यों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जीतो साउथ चैप्टर फाउंडेशन कैलेंडर का अनावरण किया गया। जेबीएन ट्रेंडसेटर लीडरशिप टीम ज्योति बाफना (रेफरल हेड), एनीश एम (रेफरल लीड), पायल बैद (रेफरल सचिव) ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बनवासी कन्नड़िगरा वेदिके कुरुबनहल्ली द्वारा बेंगलूरु नगर देवता श्री अण्णम्मा, सर्कल मारम्मा देवी, मुनेश्वर स्वामी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**